मध्य प्रदेश की निकिता पोरवाल ने फेमिना मिस इंडिया 2024 का खिताब जीता लिया है। दूसरे स्थान पर रेखा पांडे और तीसरे स्थान पर गुजरात की आयुषी ढोलकिया रहीं।

जनहितैषी

जनहितैषी अब **janhitaishinews.com** पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:307 दिनांक:18-10-2024 शुक्रवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

गाजा में इस्त्राइल रक्षा बल ने एक अभियान के दौरान हमास के तीन लड़ाके मार गिराने का दावा किया है। आईडीएफ और इस्त्राइल सिक्योरिटी एजेंसी ने पुष्टि की कि सिनवार मारा गया है।

बहराइच कांड में आरोपी सरफराज और मोहम्मद तालीम का एनकाउंटर

बहराइच (ईएमएस)। यूपी के बहराइच में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हिंसा में राम गोपाल मिश्रा की हत्या के आरोपी सरफराज खान और मोहम्मद तालीम एनकाउंटर में बुरी तरह जख्मी हो गए। पुलिस ने बताया कि दोनों के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी नेपाल भागने की फिराक में थे।

पुलिस के मुताबिक एनकाउंटर नेपाल बॉर्डर से 20 किमी पहले नानपारा कोतवाली क्षेत्र में हांडा बसेहरी नहर के पास हुआ। एसटीएफ और बहराइच पुलिस सरफराज और तालीम को साथ लेकर डबल बैरल बंदूक और तमंचा बरामद कराने ले गई थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने बंदूक और तमंचा लोडेड रखा था। उन लोगों ने पुलिस पर फायर कर दिया। पुलिस ने पहले उन्हें सरेंडर करने के लिए कहा, लेकिन बाद में जवाबी कार्रवाई में सरफराज और तालीम को गोली लगी। यूपी पुलिस ने गुरुवार को सरफराज के भाई फहीम, पिता अब्दुल हमीद और मोहम्मद अफजल को भी पकड़ा है।

बहराइच के महाराजगंज में हुए हत्याकांड के दो मुख्य आरोपियों की पुलिस से मुठभेड़ हो गई, जिसमें दोनों आरोपी घायल हो गए हैं। उनके पैरों में गोली लगी है। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने नानपारा बायपास पर हांडा बसेहरी नहर के पास आरोपियों की घेराबंदी की। जहां पुलिस व आरोपियों के बीच जवाबी फायरिंग हुई जिसमें दो आरोपी घायल हो गए। आरोपियों के नाम मोहम्मद सरफराज और मोहम्मद तालीम हैं। यूपी के एडीजी लॉ एंड ऑर्डर अमिताभ यश ने बताया कि एनकाउंटर के बाद पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। ये सभी हिंसा के आरोपी थे। उन्होंने कहा कि आरोपी नेपाल भागने की फिराक में थे।

घायल आरोपियों को इलाज के लिए नानपारा सीएचसी में भर्ती कराया गया था। जहां से दोनों को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। इस बीच मेडिकल कॉलेज को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। परिसर में चारों तरफ भारी संख्या में पुलिस व पीएसी बल की तैनाती की गई है। किसी को भी अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है। जिले की पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने बताया कि घायल होने वाले आरोपी मोहम्मद सरफराज और मोहम्मद तालिम हैं। पुलिस के अनुसार, नानपारा इलाके में हुई मुठभेड़ में आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग की जिस पर पुलिस ने उनके पैरों में गोली मारी है।

यूपी पुलिस ने मामले पर बयान जारी करते हुए कहा कि रविवार को महराजगंज में एक युवक की गोली मार कर हत्या करने के केस में आज बहराइच पुलिस द्वारा पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिनके नाम मोहम्मद फहीन, मोहम्मद तालीम, मोहम्मद सरफराज, मोहम्मद हमीद और मोहम्मद अफजल हैं। पहले दो की निशानदेही पर मर्डर में प्रयुक्त हुए हथियार की बरामदगी के लिए जब पुलिस टीम लेकर गई तो इनके द्वारा वहां रखे हथियारों से पुलिस पर फायरिंग की गई। जवाबी फायरिंग में दोनों को गोली लगी है। दोनों गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उनका उपचार कराया जा रहा है। हत्या में उपयोग किया गया हथियार बरामद हो गया है। पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने कहा कि सभी आरोपियों के खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा जो लोग भी इन आरोपियों को संरक्षण दे रहे थे उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आरोपियों के पास अवैध हथियार भी मिले हैं।

वहीं, बहराइच में जिस मकान मालिक अब्दुल हमीद पर राम गोपाल मिश्रा पर गोली चलाने का आरोप है उसकी बेटी रुखसार बता रही है कि कल 4 बजे मेरे पिता अब्दुल हमीद, मेरे दो भाई सरफराज, फहीम और उनके साथ एक अन्य युवक को यूपी एसटीएफ ने उठा लिया है। मेरे पति और मेरे देवर को पहले उठाया जा चुका है किसी भी थाने से उनकी कोई खबर नहीं मिल पा रही है। हमें डर है कि उनका एनकाउंटर कर हत्या की जा सकती है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपने परिजनों की सुरक्षा की अपील की है। बता दें कि बहराइच के महाराजगंज में रविवार शाम को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुए बवाल में राम गोपाल मिश्रा नाम के युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी जिसके बाद आक्रोशित भीड़ ने जिले में जमकर उत्पात मचाया। मंगलवार और बुधवार को जिले में शांति रही। बृहस्पतिवार को महाराजगंज इलाके में भी इंटरनेट बहाल कर दिया गया। वहीं, हत्याकांड के आरोपियों की पुलिस द्वारा घर से उठाए जाने और उनका एनकाउंटर होने की बात सामने आ रही है। मृतक युवक के परिजनों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी।

भारत माता की जय और राष्ट्रीय ध्वज को 21 बार सलामी देने की अनोखी सजा

भोपाल (ईएमएस)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने पाकिस्तान समर्थक नारे लगाने के आरोपी एक व्यक्ति को जमानत दे दी है। लेकिन जमानत के साथ आरोपी को भोपाल के एक पुलिस स्टेशन में राष्ट्रीय ध्वज को 21 बार सलामी देने और महीने के अंत तक महीने में दो बार भारत माता की जय का नारा लगाने का निर्देश दिया है।

आरोपी की पहचान फैजल उर्फ फैजान के रूप में हुई है, इस मई में मिसरोद पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज होने के बाद गिरफ्तार किया गया था। अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया कि फैजान के कार्यों ने कलह को बढ़ावा दिया और देश की अखंडता को कमजोर किया। अदालत के फैसले में न्यायमूर्ति पालीवाल ने कहा कि फैज़ान को 50,000 रुपये के निजी बांड और इतनी ही राशि की एक सॉल्वेंट ज़मानत जमा करने पर रिहा किया जा सकता है। इसके अलावा, अदालत ने जमानत के हिस्से के रूप में कई अनूठी शर्तें लगाईं। फैजान को मुकदमा खत्म होने तक हर महीने के पहले और चौथे मंगलवार को मिसरोद पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करना होगा। इस दौरान पुलिस स्टेशन पर फहराए गए राष्ट्रीय ध्वज को 21 बार सलामी देनी होती है और दो बार भारत माता की जय का नारा लगाना होता है। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि ये स्थितियाँ उनमें उस देश के लिए गौरव की भावना पैदा करने के लिए बनाई गई थीं जिसमें उनका जन्म और पालन-पोषण हुआ था।

चंद्रबाबू नायडू को मिली ईड़ी से क्लीन चिट

अमरावती (ईएमएस)। कौशल विकास घोटाले मामले में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को क्लीन चिट मिल गई है। इससे चंद्रबाबू को बड़ी राहत मिली है। ईड़ी ने 371 करोड रुपए के कौशल विकास निगम में हुए घोटाले के मामले में उन्हें गिरफ्तार किया था। लगभग उन्होंने 50 दिन जेल में बताए थे। उस समय राज्य में जगन मोहन रेड्डी की सरकार थी। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद स्थितियां ने पलटा खाया। केंद्र में चंद्रबाबू नायडू के समर्थन से केंद्र की सरकार बनी। जगन मोहन रेड्डी की सरकार बुरी तरीके से पराजित हुई।उसके बाद जो नए राजनीतिक हालात बने। उसके बाद से माना जा रहा था। जल्द ही वह ईड़ी के आरोपों से मुक्त होंगे। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ने जांच के बाद उन्हें क्लीन चिट दे दी है।जिसके कारण यह माना जा रहा है, चंद्रबाबू नायडू के करियर पर जो ग्रहण लगा हुआ था, अब वह टल गया है।

'याह्या सिनवार मर चुका है...', इस्त्राइल के पीएम नेतन्याहू ने हमास प्रमुख की मौत की पुष्टि की

तेल अवीव :गाजा में इस्त्राइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने एक अभियान के दौरान हमास के तीन लड़ाके मार गिराने का दावा किया है। आईडीएफ और इस्त्राइल सिक्योरिटी एजेंसी (आईएसए) शुरुआत में यह जांच कर रहे थे कि क्या इनमें से याह्या सिनवार भी है या नहीं। बाद में आडीएफ ने पुष्टि की कि सिनवार मारा गया है। आईडीएफ के मुताबिक, जहां इन लड़ाकों को मारा गया है, उस इमारत में किसी भी बंधक की मौजूदगी के संकेत नहीं मिले। क्षेत्र में अभियान चला रही सेना सतर्कता के साथ काम कर रही है। वहीं, इस्त्राइली विदेश मंत्रालय और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी सिनवार के मारे जाने की पुष्टि की है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब कुछ हफ्ते पहले इस्त्राइल ने लेबनान में हवाई हमलों के जरिए हिजबुल्ला प्रमुख हसन नसरल्लाह को मार गिराया है। इससे पहले हमास की राजनीतिक शाखा के प्रमुख इस्माइल हानिया की ईरान में एक हमले में हत्या कर दी थी। तेहरान और हमास ने इस हमले के लिए इस्त्राइल को दोषी ठहराया था। हालांकि, इस्त्राइल ने इस आरोप को न तो स्वीकार किया और न ही इनकार किया। हानिया की हत्या के बाद सिनवार को हमास की राजनीतिक शाखा का प्रमुख बनाया गया। सिनवार को इस्त्राइल पर सात अक्तूबर के हमलों का मास्टरमाइंड माना जाना जाता है।

हाल ही में आईडीएफ ने हमास के कई शीर्ष अधिकारियों को मार गिराया है, जिसमें गाजा में हमास सरकार के प्रमुख रावी मुश्ताहा और हमास के राजनीतिक कार्यालय में सुरक्षा विभाग के प्रमुख समह अल-सिराज शामिल हैं। मंगलवार को आईडीएफ ने बताया कि पिछले तीन दिन में जबालिया में हवाई हमलों में हमास के करीब 20 ऑपरेटर मारे गए। आईडीएफ ने जंग के बीच एक हथियारों के डिपो और अन्य हथियारों को भी नष्ट किया।

आईडीएफ का कहना है कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब क्षेत्र में आतंकवादी समूहों के बुनियादी ढांचे को पूरी तरह से नष्ट नहीं किया जाता। सोमवार को आईडीएफ ने उत्तरी गाजा के हनून, जबालिया और बीतलहिया में फलस्तीनियों को चेतावनी दी कि वे दक्षिण गाजा में इस्त्राइल द्वारा तय क्षेत्र में चले जाएं। टाइम्स ऑफ इस्त्राइल की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पुष्टि की है कि हमास प्रमुख सिनवार मारा गया है। नेतन्याहू ने अपने सहयोगियो को निर्देश दिया है कि वे इस्त्राइल के बंधकों के परिजनों को हमास प्रमुख की मौत के बारे में सूचित करें।

याह्या सिनवार गाजा पट्टी में हमास का शीर्ष नेता है। इस्त्राइल में 7 अक्तूबर को हुए हमास के हमले का मास्टरमाइंड भी याह्या सिनवार को माना जाता है। सिनवार को गाजा का सबसे ताकतवर नेता माना जाता है। वह इस्त्राइल की कैद में रह चुका है और करीब 24 साल जेल में बिता चुका है। इस्त्राइली सैनिक गिलाद शालित के बदले में इस्त्राइल की जेल से 1027 फलस्तीनी कैदी रिहा किए गए थे, उन्हीं कैदियों में याह्या सिनवार भी शामिल था। सिनवार ईरान का करीबी है और हमास के कट्टरपंथी समूह का नेतृत्व करता है। याह्या सिनवार इस्त्राइल की उस सूची में शीर्ष पर है, जिनका इस्त्राइल खात्मा चाहता है। सात अक्तूबर को दक्षिण इस्त्राइल में हमास के हमले में 1200 से ज्यादा इस्त्राइली नागरिक मारे गए थे। जबकि करीब ढाई लोगों को बंधक बनाया गया था। वहीं, इस्त्राइली जवाबी कार्रवाई में फलस्तीन के अब तक 40 हजार से ज्यादा नागरिक मारे जा चुके हैं। गाजा से शुरू हुए युद्ध की लपटें अब लेबनान और ईरान तक पहुंच गई हैं।

फडनवीस, अजीत पवार और एकनाथ शिंदे आए साथ, महाराष्ट्र चुनाव से पहले विरोधियों को दिया कड़ा संदेश

नई दिल्ली,(ईएमएस)। महाराष्ट्र में एनडीए यानी महायुति में कोई खींचतान नहीं है ये संदेश देने के लिए महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम और बीजेपी नेता देवेंद्र फडनवीस और एनसीपी (अजीत पवार) एक साथ आए। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि महायुति में सब कुछ ठीक है और महाराष्ट्र सरकार द्वारा किए गए काम गिनाए। इंडिया गठबंधन लगातार एनडीए से सवल पूछ रहा है कि उनका सीएम उम्मीदवार कौन है। यह सवाल अभी बीजेपी के लिए असुविधाजनक है। बीजेपी गठबंधन महाराष्ट्र में बिना सीएम उम्मीदवार के ऐलान के चुनाव लड़ेगा।

देवेंद्र फडनवीस ने कहा कि सीएम पद की दावेदारी को लेकर कोई विवाद नहीं है और चुनाव के बाद सहमति से इसका फैसला लिया जाएगा। उन्होंने ये भी कहा कि इंडिया गठबंधन का सीएम उम्मीदवार कौन हो शरद पवार बताएं। दरअसल पिछले कई दिनों से यह चर्चाएं चल रही हैं कि सीएम पद को लेकर बीजेपी के स्थानीय नेता चाहते हैं कि इस बार सरकार बनने पर सीएम बीजेपी का हो। फिलहाल तो महायुति में सीट बंटवारे को लेकर बातचीत जारी है।

अमरावती में 22 अक्टूबर से दो दिन के ड्रोन सम्मेलन का आयोजन

अमरावती (ईएमएस)। आंध्र प्रदेश राजधानी अमरावती में 22 और 23 अक्टूबर को ड्रोन शिखर सम्मेलन का आयोजन होगा। यह आयोजन नागर विमानन मंत्रालय और आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

इस सम्मेलन में ड्रोन कंपनियां, विदेशी इकाइयां और अन्य संबंधित लोग भाग ले रहे है। आंध्र प्रदेश सरकार के अवसंरचना एवं निवेश (आईएंडआई) विभाग के सचिव एस सुरेश कुमार ने कहा कि 22 अक्टूबर को 5,000 से अधिक ड्रोन के साथ एक ड्रोन प्रदर्शनी भी आयोजित होगी। उन्होंने कहा कि अबतक सम्मेलन के लिए 1,000 से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया है।

नागर विमानन मंत्रालय के वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार पीयूष श्रीवास्तव ने कहा कि मोदी सरकार ड्रोन क्षेत्र के लिए एक नई उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना पर काम कर रही है और हितधारकों से सुझाव मांगे जा रहे हैं। ड्रोन के लिए वित्त वर्ष 2021-22 से तीन वित्त वर्ष के लिए शुरू हुई 120 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ पहली पीएलआई योजना समाप्त हो गई है।

मध्यप्रदेश के निकिता ने जीता फेमिनामिसइंडिया2024का खिताब

भोपाल (ईएमएस)। मध्य प्रदेश की निकिता पोरवाल ने फेमिना मिस इंडिया 2024 का खिताब जीता लिया है। दूसरे स्थान पर रेखा पांडे और तीसरे स्थान पर गुजरात की आयुषी ढोलकिया रहीं। 18 साल की निकिता ने अपने करियर की शुरुआत टीवी एंकर के रूप में की थी। उन्हें पिछले साल की विजेता नंदिनी गुप्ता ने ताज पहनाया, और नेहा धूपिया ने मिस इंडिया का सैश दिया। निकिता ने राजस्थान की नंदिनी की जगह ली, जिन्होंने 2023 में फेमिना मिस इंडिया का खिताब जीता था।

कौन हैं निकिता पोरवाल?

उज्जैन निवासी निकिता का पालन-पोषण उस शहर में हुआ है, जो अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है। इस विरासत ने निकिता को गहराई से सोचने और हर चीज को समझकर करने की आदत डाली। उन्हें कहानियां सुनाने और अपने आध्यात्मिक पहलुओं की खोज में गहरी रुचि है। निकिता ने अपनी स्कूली पढ़ाई कार्मेल कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल से की और उच्च शिक्षा महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी, बड़ौदा से प्राप्त की।

स्टेज पर काम करना निकिता को बेहद पसंद है और अब तक वह 60 से ज्यादा नाटकों में हिस्सा ले चुकी हैं। उन्होंने "कृष्ण लीला" नामक एक 250 पन्नों का नाटक भी लिखा है। इसके अलावा, निकिता अपनी फिल्म प्रोडक्शन की काबिलियत को भी बढ़ा रही हैं और उनकी एक फिल्म अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई है। वहीं निकिता एक पशु प्रेमी हैं और वह इस मंच का इस्तेमाल सभी जीवों के प्रति दया और करुणा को बढ़ावा देने के लिए करना चाहती हैं।

निकिता पोरवाल की उपलब्धियां

फेमिना मिस इंडिया 2024 का ताज जीतने के बाद निकिता अब मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। निकिता ने कहा कि वह सुंदरता और बुद्धि के बीच संतुलन को जरूरी मानती हैं। उन्होंने कहा, "मैं अपनी भारतीय संस्कृति का सम्मान करते हुए आधुनिकता को अपनाना चाहती हूं।" जब निकिता से पूछा गया कि उनकी जिंदगी में सबसे ज्यादा असर किसका है, इसपर निकिता ने कहा कि "मेरी जिंदगी में सबसे ज्यादा असर मेरा खुद का है। अपनी ताकत को पहचानकर मैं हर दिन बेहतर बनने के लिए प्रेरित होती हूं।"

विमानों में बम रखे होने की फर्जी धमकी....छत्तीसगढ़ से युवक हिरासत में

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई पुलिस ने सोशल मीडिया पोस्ट के द्वारा से तीन विमानों में बम रखे होने की फर्जी धमकी देने के मामले में छत्तीसगढ़ के 17 वर्षीय एक लड़के को हिरासत में लिया है। मुंबई पुलिस ने सोमवार और मंगलवार को विभिन्न एयरलाइन को जारी फर्जी बम धमकी के सिलसिले में तीन अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की हैं।

पुलिस उपायुक्त (जोन 8) मनीष कलवनिया ने स्पष्ट किया कि मंगलवार को दी गईं धमकियों के संदेश जारी करने में नाबालिग शामिल नहीं था। पुलिस अधिकारी ने कहा कि कक्षा 11 के इस छात्र ने सोमवार को छत्तीसगढ़ से कथित तौर पर तीन पोस्ट किए और विमानों को बम से उड़ाने की धमकी दी।

नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए बरकरार, सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

-अवैध प्रवासियों की पहचान के दिए निर्देश

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए को संवैधानिक करार देते हुए इसे बरकरार रखा है। गुरुवार को बहुमत से किए गए इस फैसले के पक्ष में चार जजों ने फैसला सुनाया, जबकि जस्टिस जेबी पारदीवाला ने इस पर असहमति जताई। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में कोर्ट ने इस महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि असम समझौते के तहत धारा 6ए को 1985 में नागरिकता अधिनियम में जोड़ा गया था, जो 1 जनवरी 1966 से 25 मार्च1971 के बीच असम में आने वाले प्रवासियों को नागरिकता प्रदान करता है।

मुख्य न्यायाधीश ने अपने फैसले में कहा कि केंद्र सरकार का कर्तव्य है कि वह राज्यों को बाहरी आक्रमण और खतरों से सुरक्षित रखे, जो संविधान के अनुच्छेद 355 के अंतर्गत आता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 355 को नागरिकों और अदालतों को आपातकालीन अधिकार देने के रूप में नहीं देखा जा सकता, क्योंकि यह विनाशकारी हो सकता है। कोर्ट ने इस तर्क को खारिज किया कि धारा 6ए असंवैधानिक है। यह कहते हुए कि भारत में नागरिकता देने का एकमात्र तरीका रजिस्ट्रेशन नहीं है। जस्टिस चंद्रचूड़ ने यह भी कहा कि किसी राज्य में विभिन्न जातीय समूहों का होना अनुच्छेद 29(1) का उल्लंघन नहीं है। याचिकाकर्ताओं को यह साबित करना होगा कि उनका समूह अपनी भाषा और संस्कृति की रक्षा नहीं कर सकता क्योंकि वहां एक दूसरा जातीय समूह भी मौजूद है।

कोर्ट ने केंद्र और असम सरकार को असम में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान और निर्वासन की प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए। अदालत ने राज्य में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भी कहा और इस प्रक्रिया की निगरानी अब सुप्रीम कोर्ट करेगा।

यह अहम फैसला गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने असम के नागरिकता विवाद और राज्य में विदेशी प्रवासियों के मुद्दे को लेकर दिया है, जो असम समझौते के बाद से विवाद का विषय बना हुआ था।

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा, याचिका पर सुनवाई को तैयार सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर को दो महीने में पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार है। वकील गोपाल शंकर नारायण ने जहूर अहमद भट और खुर्शीद अहमद मलिक की ओर से इसकी याचिका लगाई है। इस पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने सुनवाई पर अपनी सहमति दे दी है। याचिका में कहा गया है कि अनुच्छेद 370 पर सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जम्मू-कश्मीर को जल्द ही पूर्ण राज्य का दर्जा देने का आश्वासन दियपा था। हालांकि, मामले में फैसला आने के 10 माह बाद भी केंद्र ने अब तक इस पर कोई कदम नहीं उठाया। अनुच्छेद 370 हटाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला 11 अगस्त, 2023 को आया था।

अगरतला-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस के 8 डिब्बे पटरी से उतरे

मालेगांव (ईएमएस)। महाराष्ट्र के मालेगांव के पास अगरतला-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस के 8 डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। रिपोर्ट के मुताबिक, 12520 अगरतला-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस गुरुवार सुबह ही अगरतला से रवाना हुई थी। दोपहर करीब 3:55 बजे यह लुमडिंग-बर्डरपुर हिल सेक्शन के डिबालोंग स्टेशन पर पटरी से उतर गई। ट्रेन के पावर कार और इंजन समेत 8 डिब्बे बेपटरी हुए हैं।

हादसे की सूचना मिलते ही दुर्घटना राहत ट्रेन और दुर्घटना राहत मेडिकल ट्रेन बचाव और बहाली कार्यों की निगरानी के लिए मौके पर पहुंचे।

इस बीच लुमडिंग-बदरपुर सिंगल लाइन सेक्शन पर ट्रेनों का ऑपरेशन अगले आदेश तक निलंबित कर दिया गया है। रेलवे ने एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है। हेल्पलाइन नंबर 03674 263120, 03674 263126 पर कॉल करके हादसे का अपडेट लिया जा सकता है।

हुड्डा ने दिल्ली स्थित आवास पर कांग्रेस के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक बुलाई, शैलजा गुट के विधायक नहीं पहुंचे

नई दिल्ली (ईएमएस)। हरियाणा कांग्रेस में विधायक दल के नेता पद के लिए गुटबाजी चरम पर है। इस बार भी हरियाणा कांग्रेस में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा गुट इसको लेकर आमने-सामने है।कांग्रेस में गुटबाजी गुरुवार को उस समय खुलकर सामने आई जब हुड्डा ने अपने दिल्ली स्थित आवास पर कांग्रेस के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक बुलाई। इसमें शैलजा गुट के विधायक नहीं पहुंचे। हालांकि यह कांग्रेस की आधिकारिक बैठक नहीं थी।

हुड्डा के आवास पर आयोजित बैठक में कांग्रेस के 37 में से 31 विधायक शामिल हुए। हुड्डा ने यह बैठक कांग्रेस विधायकों की बैठक से दो दिन पहले ही बुलाई थी। कांग्रेस विधायक दल की बैठक में ही नेता विधायक दल या नेता विपक्ष का चुनाव होना है। इसमें हुड्डा के विरोधी गुट के पांच विधायक शामिल नहीं हुए। इनमें पहली बार विधायक बने रणदीप सुरजेवाला के बेटे आदित्य सुरजेवाला भी शामिल हैं। हुड्डा के घर पर हुई बैठक में शामिल न होने वालों में चंद्र मोहन भी शामिल थे। उनके अलावा शैली चौधरी,अकरम खान और रेणु बाला भी इस बैठक में शामिल नहीं हुए।

महादेव सट्टा ऐप घोटाला मामले में ईडी के गुवाहाटी दफ्तर में फिल्म अभिनेत्री तमन्ना भाटिया से पूछताछ

गुवाहाटी (ईएमएस)। महादेव सट्टा ऐप घोटाला मामले में जांच एजेंसी ईडी गुवाहाटी दफ्तर में फिल्म अभिनेत्री तमन्ना भाटिया से पूछताछ कर रही है। तमन्ना इस घोटाले में आरोपी नहीं है, लेकिन इस ऐप को प्रमोट करने के मामले में उनसे ये पूछताछ की जा रही है। ईडी तमन्ना भाटिया से एचपीजेड ऐप घोटाला मामले में भी जानकारी इकट्ठा कर रही है।

गौरतलब है कि महादेव सट्टा ऐप के सरगना सौरभ चंद्राकर को दुबई में हिरासत में लिया गया था, इसके बाद अब सारी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं और उम्मीद है कि जल्द ही उसे भारत डिपोर्ट कर दिया जाएगा। महादेव सट्टा ऐप के तार नोएडा से भी जुड़े हुए हैं और यहां पर हुई बड़ी कार्रवाई के बाद सारे दस्तावेज ईडी को सौंपे गए थे। इस मामले में कई लोगों की गिरफ्तारी हुई थी और महज डेढ़ महीने में ही 400 करोड़ रुपये के ट्रांजैक्शन का पता नोएडा पुलिस ने लगाया था।

माना जा रहा है कि नोएडा पुलिस से मिले इनपुट और कार्रवाई के चलते ही इस मास्टरमाइंड पर शिकंजा कसा जा सका है। नोएडा के थाना सेक्टर-39 पुलिस ने ऑनलाइन गेमिंग फ्रॉड करने वाले गैंग का पर्दाफाश करने के बाद सौरभ चंद्राकर के एक अहम साथी सचिन सोनी को 10 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया था। ये वो शख्स था जो गैंग के अन्य लोगों से सौरभ चंद्राकर की डील करवाता था। सचिन सोनी ही इंडिया में वो मेन किंगपिन था, जिसने सेक्टर-108 में मकान (डी-309) के मालिक से वेब डिजाइनिंग के काम के लिए 68,000 किराये प्रतिमाह पर घर लिया था।

आरोपियों द्वारा बिल्डिंग से बाहर जाते और अंदर आते समय मेन गेट पर ताला लगाया जाता था। जिससे स्थानीय लोगों को ये लगे कि बिल्डिंग में कोई नहीं रहता है। सचिन सोनी घर के अंदर मौजूद गैंग के अन्य सदस्यों के लिए अनसफ खान द्वारा रोजमर्रा की जरूरत का सामान उपलब्ध कराया करता था।

शिव कुमार गौतम और जीशान अख्तर के खिलाफ मुंबई पुलिस ने लुकआउट सर्कुलर जारी किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। बाबा सिद्दीकी पर गोली चलाने वाले शिव कुमार गौतम और जीशान अख्तर के खिलाफ मुंबई पुलिस ने लुकआउट सर्कुलर जारी किया है। इससे पहले पुलिस ने शुभम लोनकर के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया था। पुलिस को शक है कि बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में आरोपी यह तीनों देश छोड़ने की कोशिश कर सकते हैं। क्राइम ब्रांच सूत्रों के अनुसार हर बार्डर और एयरपोर्ट पर आरोपियों की जानकारी दे दी गई है और उनकी तलाश चल रही है।

बाबा सिद्दीकी की 13 अक्टूबर को दशहरे की रात जीशान के बांद्रा ईस्ट ऑफिस के बाहर तीन लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने बताया था कि उन पर छह गोलियां चलाई गईं, जिनमें से चार उन्हें और एक अन्य गोली उनके एक सहयोगी के पैर में लगी। सिद्दीकी को लीलावती अस्पताल ले जाया गया था, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया था।

उन पर हमला करने वाले दो शूटरों, हरियाणा के गुरमेल बलजीत सिंह और उत्तर प्रदेश के धर्मराज कश्यप को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया गया था। उत्तर प्रदेश का ही आरोपी शिव कुमार गौतम फरार है।

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व महासचिव राम माधव बन सकते हैं जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। मनोज सिन्हा की जगह भारतीय जनता पार्टी के पूर्व महासचिव राम माधव जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल बन सकते हैं। वहीं, केरल राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को भी नई भूमिका दिए जाने की चर्चाएं हैं। अंडमान और निकोबार आइलैंड के उपराज्यपाल देवेंद्र कुमार को केरल या जम्मू और कश्मीर में नई जिम्मेदारी दी जा सती है। कुमार अक्टूबर 2017 से राज्यपाल हैं।

एक इंग्लिश समाचार पात्र की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि जम्मू और कश्मीर, हरियाणा में नई सरकार के बनने के बाद या झारखंड और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बाद फेरबदल किए जा सकते हैं। इसके अलावा लोकसभा चुनाव के मैदान से दूर रहे भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को भी राज्यपाल या एलजी बनाया जा सकता है। इनमें अश्विनी चौबे, वीके सिंह, मुख्तार अब्बास नकवी जैसे नाम शामिल हो सकते हैं।

कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत, गुजरातके आचार्य देवव्रत 3 साल से ज्यादा समय से पद पर हैं। गोवा राज्यपाल पीएस श्रीधरन पिल्लई और हरियाणा के गवर्नर बंडारू दत्तात्रेय 15 जुलाई 2021 से पद पर हैं। मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल, उत्तराखंड के गुरमीत सिंह 3 साल से ज्यादा समय से राज्यपाल हैं।

भारत बनेगा दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था......लेकिन यहां चिंता

मुंबई (ईएमएस)। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी ने गुरुवार जारी अपनी रिपोर्ट में बताया कि भारत बेशक सबसे तेज अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है, लेकिन बढ़ती जनसंख्या और पर्यावरण को लेकर चुनौतियां भी दरकिनार नहीं की जा सकती है। रिपोर्टों का कहना है कि भारत में कार्बन-उत्सर्जन संबंधी चुनौतियां बड़ी बाधाओं के रूप में उभर सामने आ रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया हैं कि भारत 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर (30 लाख करोड़ डॉलर) की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखता है, अभी फिलहाल यह 3.6 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था है।

रिपोर्ट में बताया गया हैं कि भारत वर्तमान में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और आने वाले तीन सालों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। एक अन्य रेंटिग एजेंसी ने कहा कि 2035 तक, उभरते बाजार ग्लोबल इकनॉमिक ग्रोथ का लगभग 65 प्रतिशत योगदान देगा, जिसमें भारत, चीन, वियतनाम और फिलीपींस जैसे एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देश प्रमुख भूमिका निभाएंगे। रेंटिग एजेंसी ने कहा, इस दौरान, भारत के तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की संभावना है। 2035 तक, भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा,वहीं इंडोनेशिया आठवें और ब्राजील नौवें स्थान पर होगा। एजेंसी ने कहा 2035 तक एमर्जिंग देशों की औसतन जीडीपी ग्रोथ 4.06 प्रतिशत होगी, जबकि एडवांस अर्थव्यवस्थाओं यानी विकसित देशों के लिए यह 1.59 प्रतिशत होगी। रेंटिग एजेंसी को उम्मीद है कि 2024 में भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत और 2025 में 6.6 प्रतिशत रहेगी। इसके साथ ही भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहेगा। एजेंसी की रिपोर्ट ने गुरुवार कहा कि भारत की आर्थिक विकास दर और बढ़ती आबादी से उत्पन्न कार्बन-उत्सर्जन एक गहरी चिंता की बात है। भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और औद्योगीकरण से एनर्जी और कार्बन-उत्सर्जन वाले प्रोडक्ट्स की मांग में तेजी से इजाफा होगा। 2022 में भारत का ग्लोबल ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन 7.5 प्रतिशत तक पहुंच गया, और यह अगले कुछ वर्षों में और बढ़ सकता है। जबकि 2019 में यह 6.7 प्रतिशत पर था। गौरतलब है कि भारत ने 2070 तक जीरो उत्सर्जन हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया है और 2030 के अंतरिम डिकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों की दिशा में कुछ प्रगति की है। हालांकि, देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को बढ़ाने का काम करेगी।

जन हितैषी

हाथी के दांत की तरह दिखावे की होगी जम्मू कश्मीर की सरकार?

जम्मू कश्मीर में शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न हुए हैं। इस बार मतदाताओं ने खुलकर मतदान किया है। जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में निर्वाचित ने शपथ ले ली है। सरकार और उपराज्यपाल के अधिकार को लेकर सरकार बनने के साथ ही नई-नई चर्चाएं शुरू हो गई है। जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा खत्म हो गया है। जम्मू-कश्मीर अब केंद्र शासित प्रदेश है। केंद्र सरकार ने उपराज्यपाल के जो अधिकार बनाए दिए हैं। उसमें केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपालों के हाथ में जो अधिकार होते हैं। निर्वाचित सरकार के पास पूर्व राज्य के अधिकार नहीं होते हैं। केन्द्र शासित प्रदेशों की निर्वाचित सरकारों को हर बात के लिए उपराज्यपाल की अनुमति लेनी होती है। जिस तरह की स्थिति दिल्ली में बनी हुई है। उसी तरीके की वर्तमान स्थिति जम्मू-कश्मीर की नव निर्वाचित राज्य सरकार की होगी। केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल को पांच विधायकों के मनोनयन का अधिकार दिया है। जिन राज्यों में गैर भाजपा शासित राज्य सरकार होती हैं। वहां के उपराज्यपाल निर्वाचित सरकार को वह काम नहीं करने देते हैं, जो वहां की सरकार चाहती है। जिन राज्यों में गैर भाजपाई सरकारें होती हैं। वहां के राज्यपाल निर्वाचित सरकारों के कामकाज में अडंगा लगाते है। विधानसभा से जो बिल पास होते हैं। उनकी स्वीकृति नहीं देते है। राज्य सरकारों के कामकाज पर राज्यपाल अड़ंगा लगाते है। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को लेकर केंद्र और राज्य के बीच में विवाद की स्थिति बनी हुई है। 35ए की वजह से अन्य राज्यों के नागरिक जम्मू-कश्मीर मैं अचल संपत्ति नहीं खरीद सकते थे। धारा 370 को लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार के बीच में जिस तरह से विवाद देखने को मिल रहे हैं। जब तक जम्मू कश्मीर विधानसभा को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिलेगा। तब तक यह विवाद जन्म लेते रहेंगे। पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में सहमति से है। जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा कब मिलेगा, यह कहना अभी मुश्किल है। जब तक जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिलेगा। तब तक जम्मू-कश्मीर में वास्तविक रूप से उपराज्यपाल का ही शासन होगा। निर्वाचित सरकार के मुख्यमंत्री ट्रांसफर पोस्टिंग भी नहीं कर पाएंगे। हर काम के लिए उन्हें उपराज्यपाल पर निर्भर रहना पड़ेगा। मुख्यमंत्री को किस तरह से उपराज्यपाल सहयोग करते हैं या उप राज्यपाल अपने हिसाब से काम करते हैं। उपराज्यपाल सरकार को भरोसे में लेकर काम करते हैं। इसका पता बाद में चलेगा। जम्मू-कश्मीर में सरकार किस तरह से सरकार चलेगी, या ठीक उसी तरीके से रोजाना विवाद होंगे, जैसे दिल्ली में हो रहे हैं। जम्मू-कश्मीर सीमावर्ती राज्य है। पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश की सीमाएं लगी हुई है। सीमावर्ती राज्य होने के कारण सुरक्षा बलों की भी पर्याप्त संख्या में तैनाती हैं। केन्द्रीय गृह मंत्रालय का भी हस्तक्षेप भी लगातार बना रहता है। ऐसी स्थिति में नई सरकार के भविष्य को लेकर तरह-तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। राज्य में काफी लंबे समय के बाद निर्वाचित सरकार आई है। उसके बाद आशा की जा सकती है, कि उपराज्यपाल और राज्य सरकार मिलजुल कर काम करेगी। सीमावर्ती राज्य होने के कारण केंद्र सरकार भी संवेदनशीलता के साथ राज्य सरकार को विश्वास में लेते हुए निर्णय करेगी। केंद्र सरकार और राज्य सरकार के रिश्ते बेहतर होंगे। उप राज्यपाल बॉस की तरह नहीं एक संवैधानिक प्रमुख के रूप में काम करके राज्य सरकार के साथ अपने रिश्तों को मजबूत बनाएंगे। जिस तरह के विवाद रोजाना दिल्ली सरकार और वहाँ के उपराज्यपाल के बीच देखने को मिल रहे हैं। वह स्थिति जम्मू-कश्मीर में नहीं बनेगी। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार वर्तमान स्थिति को देखते हुए समन्वय बनाकरकाम करेंगे। यह आशा की जा सकती है।

न्याय की गांधारी की आँखों से पट्टी का हटना सुखद

कहते हैं की जो होता है सो अच्छा ही होता है। भारत में न्यायपालिका का प्रतीक चिन्ह आँखों पर पट्टी बंधे हाथ में तलवार लिए एक स्त्री का चित्र था । इसे न्याय की देवी कहा और माना जाता है ,क्योंकि न्याय देने का काम शायद देवता नहीं कर पाते हैं। न्याय की देवी की आँखों पर पट्टी शायद इसलिए बंधी गयी होगी ताकि वो नीर-क्षीर विवेक से न्याय कर सके,हाथ में तलवार शायद इसीलिए दी गयी होगी ताकि वो निर्ममता से दंड दे सके,लेकिन अब उसकी आँखों से पट्टी भी हटा दी गयी है और हाथ से तलवार भी छीन ली गयी है । न्याय की देवी के हाथों में उस संविधान की प्रति पकड़ा दी गयी है जो हाल के आम चुनाव में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी और बाकी का विपक्ष लेकर घूम रहा था।

कहते हैं कि न्याय के प्रतीक को बदलने की सारी कवायद के पीछे देश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ हैं। उनके निर्देशों पर न्याय की देवी में बदलाव कर दिया गया है। न्याय कि देवी कि नयी प्रतिमा सुप्रीम कोर्ट में जजों की लाइब्रेरी में लगाई गई है। पहले जो न्याय की देवी की मूर्ति होती थी. उसमें उनकी दोनों आँखों पर पट्टी बंधी होती थी. साथ ही एक हाथ में तराजू जबकि दूसरे में सजा देने की प्रतीक तलवार होती थी। ये बदलाव हालांकि सांकेतिक ही है लेकिन है अच्छा। इस फैसले पर मौजूदा सरकार की सोच भी परिलक्षित होती है। आपको याद होगा कि हमारी मौजूदा सरकार को आजकल सब कुछ बदलने का भूत सवार है । शहरों,स्टेशनों के नाम ही नहीं बल्कि अंग्रेजों के ज़माने के तमाम क़ानून भी बदले गए हैं। ऐसे में न्यायपालिका क्यों पीछे रहे ? इसीलिए अब भारतीय न्यायपालिका ने भी ब्रिटिश काल को पीछे छोड़ते हुए नया रंगरूप अपनाना शुरू कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का ना केवल प्रतीक बदला है बल्कि सालों से न्याय की देवी की आँखों पर बंधी पट्टी भी हट गई है। जाहिर है कि सुप्रीम कोर्ट ने देश को संदेश दिया है कि अब कानून अंधा नहीं है। क़ानून को अंधा होना भी नहीं चाहिए दुर्भाग्य से देश में अब भी तमाम क़ानून अंधे हैं।

मुझे लगता है कि सुप्रीम कोर्ट के इस मुख्य न्यायाधीश को ये विचार या प्रेरणा पिछले दिनों गणेशोत्सव पर प्रधानमंत्री जी के साथ गणेश पूजन के बाद मिली। शुरुआत अच्छी है। हम सब इसका स्वागत करते है । इस समय जिस भी व्यवस्था की आँखों पर पट्टी बंधी हो उसे हटाने की जरूरत है। आँखों पर पट्टी का बंधा होना जहाँ नीर-क्षीर विवेक का प्रतीक माना जाता रहा है वहीँ इसे जानबूझकर आअंखें बंद करने का प्रतीक भी माना जाता है। द्वापर में गांधारी ने अपनी आँखों पर पट्टी अपने पति प्रेम के चलते बाँधी थी ,लेकिन उसका क्या परिणाम हुआ ,पूरी दुनिया जानती है । दुनिया न भी जानती हो , लेकिन भारत का बच्चा -बच्चा जानता है। सुप्रीम कोर्ट के इस नवाचार का हम दिल खोलकर स्वागत करते हैं और चाहते हैं कि अब देश में न्यायप्रणाली की आँखें न सिर्फ खुलीं रहें बल्कि गंगाजल से धुली भी हों। अभी तक भारतीय न्यायपालिका में देश का भरोसा कायम है यद्दपि न्यायपालिका तमाम आधे-अधूरे फैसलों की वजह से संदिग्ध हुई है तथापि उसे अनेक फैसलों की वजह से पूरा सम्मान भी हासिल है।

दुर्भाग्य ये है कि इस समय देश में कार्यपालिका हो या विधायिका,सभी की आँखों पार पट्टी और हाथों में तलवार है । पक्षपात की तलवार । अदावत की तलवार। हमारी सरकार के नियन्त्रण में सब कुछ है । न्यायपालिका भी ,क्योंकि इस अंग की नियुक्ति,वेतन-भत्तों तक की व्यवस्था सरकार करती है। सरकार भी अपनी आँखों पर पट्टी बांधकर काम करती है । वो जिस मंजर को नहीं देखना चाहती उसे नहीं देखती । वो जहाँ तलवार चलाने की जरूरत होती है वहां तलवार को हाथ भी नहीं लगाती और जहाँ तलवार नहीं चलना होती वहां तलवार भी चलाती है और आँखों पर बंधी पट्टी भी हटा लेती है। इस बात के उदाहरण नहीं दूंगा,इसका विश्लेषण आपको भी करना चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश माननीय चंद्रचूड़ का मानना है कि अंग्रेजी विरासत से अब आगे निकलना चाहिए। कानून कभी अंधा नहीं होता। वो सबको समान रूप से देखता है। इसलिए न्याय की देवी का स्वरूप बदला जाना चाहिए। साथ ही देवी के एक हाथ में तलवार नहीं, बल्कि संविधान होना चाहिए; जिससे समाज में ये संदेश जाए कि वो संविधान के अनुसार न्याय करती हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ साहब का मानना है कि तलवार हिंसा का प्रतीक है। जबकि, अदालतें हिंसा नहीं, बल्कि संवैधानिक कानूनों के तहत इंसाफ करती हैं। दूसरे हाथ में तराजू सही है कि जो समान रूप से सबको न्याय देती है।

हम उम्मीद करना चाहिए की जिस तरह से माननीय मुख्य नयायधीश ने अपनी सेवा निवृत्ति से कुछ दिन पहले न्यायपालिका के प्रतीक को बदला है उसी तरह वे जाते-जाते उन सभी संवैधानिक संस्थाओं की आँखों पर बंधी पट्टी और हाथों में ली गयी दृश्य और अदृश्य तलवारों को हटवाने की भी इंतजाम कर जायेंगे। ईडी हो,सीबीआई हो या केंद्रीय चुनाव आयोग हो सबकी आँखों पर पट्टी और हाथों में तलवार है । आज का युग आँखों पर पट्टी बांधकर काम करने का है भी नहीं। आज के युग में तलवार हाथ में लेकर दुनिया को नहीं चलाया जाता । आज कीदुनिया के हाथों में तलवार की जगह विनाशकारी बम आ गए हैं, मिसाइलें आ गयीं हैं ,जो सामूहिक नरसंहार कर रहे हैं।

हमारे क़ानून के शिक्षक स्वर्गीय गोविंद अग्रवाल साहब हमें पढ़ते वक्त बताया करते थे कि -न्याय की देवी की वास्तव में यूनान की प्राचीन देवी हैं, जिन्हें न्याय का प्रतीक कहा जाता है। इनका नाम जस्टिया है। इनके नाम से जस्टिस शब्द बना था। इनके आंखों पर जो पट्टी बंधी रहती है, उसका मतलब है कि न्याय की देवी हमेशा निष्पक्ष होकर न्याय करेंगी। किसी को देखकर न्याय करना एक पक्ष में जा सकता है। इसलिए इन्होंने आंखों पर पट्टी बांधी थी। वैसे आपको भी पता है और मुझे भी पता है कि आँखों पर पट्टी बांधकर मोटर साइकल चलाना और चित्र बनाना जादूगरों का काम है ,न्यायधीश ये नहीं कर सकते । नेता जरूर कर सकते हैं,कर भी रहे हैं। बहरहाल मुख्य न्यायाधीश को इस तब्दीली के लिए तहेदिल से बधाई। कम से कम सेवनिवृत्ति से पहले वे भी एक नया इतिहास लिखकर जो जाने वाले हैं। अब पुरानी हिंदी फिल्मों में दिखाए जाने वाले अदालतों के इस प्रतीक चिन्ह का क्या होगा। राम जाने ? (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

23 वाँ शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन 15-16 अक्टूबर 2024-इस्लामाबाद पाकिस्तान में भारत की हुंकार

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ के हर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सबकी निगाहें अब भारत को ढूंढती है कि वहां से कौन आया है। एक ज़माना था जब भारत को संभवत: कोंनटा मिलता था, जो आज फ्रंट में तब्दील हो गया है! आज हम इस विषय पर बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इस बार 23 वाँ शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) पाकिस्तान के इस्लामाबाद में 15-16 अक्टूबर 2024 को संपन्न हुआ, जिसमें सभी देशों की निगाहें भारत पर थी देखा गया के एससीओ से अलग भारतीय व पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों में कुछ समय गुफ्तगू हुआ जो भारत पाकिस्तान दोनों के अधिकृत एजेंडे,बयानों में नहीं है परंतु मीडिया में इस तरह की खबरें जोर पकड़ रही है,यानें दोनों देशों के संबंध सुधारने की दिशा में शायद एक कदम उठ सकता है। चूँकि भारत नें पड़ोसी के घर में जाकर हुंकार भरी कि अच्छे पड़ोसी संबंधों व विश्वास में गिरावट की परिस्थितियों के करणों का विश्लेषण करना ज़रूरी है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,भारत का एससीओ की तीन बुराइयों आतंकवाद अलगाववाद व उग्रवाद का मुकाबला करनें का आगाज़ वाकई सराहनीय कदम है।

साथियों बात अगर हम इस्लामाबाद पाकिस्तान की मेज़बानी में 15-16 अक्टूबर 2024 को आयोजित शंघाई सहयोग संगठन की करें तो, 23वां शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन हाल ही में समाप्त हुआ। यह शिखर सम्मेलन क्षेत्रीय सहयोग और विकास पर केंद्रित था, जिसमें सदस्य देशों ने सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और आतंकवाद जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर इस सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। शिखर सम्मेलन के समाप्त होने के बाद, वह इस्लामाबाद से नई दिल्ली आ गए। इस बैठक में भारत और पाकिस्तान के संबंधों पर विशेष ध्यान दिया गया, साथ ही अन्य सदस्य देशों के साथ भारत के व्यापार और कूटनीतिक रिश्तों को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। एससीओ शिखर सम्मेलन में अक्सर क्षेत्रीय स्थिरता, विकास, और सुरक्षा के मुद्दों पर बातचीत होती है, और इस साल के आयोजन ने इन विषयों पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया।बता दें कि पाकिस्तान पहुंचे विदेश मंत्री ने 16 अक्टूबर को एससीओ समिट को संबोधित करते हुए पाकिस्तान-चीन के सीपीईसी प्रोजेक्ट के कारण भारतीय संप्रभुता के उल्लंघन का मुद्दा उठाया। विदेश मंत्री ने कहा कि एससीओ के सदस्य देशों का सहयोग परस्पर सम्मान और संप्रभु समानता पर आधारित होना चाहिए। यह जरूरी है कि सभी देश क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को मान्यता दें, इसके लिए वास्तविक साझेदारी का निर्माण होना चाहिए, न कि एकपक्षीय एजेंडे पर आगे बढ़ा जाना चाहिए।विदेश मंत्री ने सीपीईसी की तरफ इशारा करते हुए कहा कि अगर हम दुनियाँ की चुनिंदा प्रथाओं को ही आगे बढ़ाएंगे खासकर व्यापार और व्यापारिक मार्गों के लिए तो एससीओ की प्रगति नहीं हो पाएगी। बता दें कि सीपीईसी को लेकर भारत की चिंता है कि यह परियोजना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरती है, इस क्षेत्र को भारत अपना अभिन्न अंग मानता है। बता दें विदेश मंत्री एस जयशंकर ऐसे पहले विदेश मंत्री हैं जो 9 साल में पहली बार पाकिस्तान दौरे पर गए हैं।इससे पहले 2015 में सुषमा स्वराज ने विदेश मंत्री के रूप में पाकिस्तान का दौरा किया था।पाकिस्तान में एससीओ समिट ऐसे समय में हो रहा है, जब भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव है। ऐसे में विदेश मंत्री का इस सम्मेलन में शिरकत के लिए जाना काफी अहम है। भारत के विदेश मंत्री इस्लामाबाद में एससीओ की बैठक में हिस्सा लेकर बुधवार देर शाम तक नई दिल्ली लौट आए। जयशंकर तकरीबन 24 घंटे पाकिस्तान की राजधानी में रहे, इस दौरान उन्होंने दो बार पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ से हाथ मिलाया, पीएम शरीफ की तरफ से आयोजित रात्रि भोज में हिस्सा लिया और दोपहर के भोज में जयशंकर की शरीफ के साथ अनौपचारिक बातचीत भी हुई। हालांकि, इसे दोनों देशों के बीच संबंध में बड़े सुधार के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

साथियों बात अगर हम भारत के संबोधन में चीन पाकिस्तान पर दो टूक की करें तो,शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में शिरकत करने पाकिस्तान दौरे पर गये विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन और पाकिस्तान की पोल खोलकर रख दी है।एससीओ समिट को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री ने पाकिस्तान-चीन के सीपीईसी प्रोजेक्ट के कारण भारतीय संप्रभुता के उल्लंघन का मुद्दा उठाया है। विदेश मंत्री ने कहा कि एससीओ के सदस्य देशों का सहयोग परस्पर सम्मान और संप्रभु समानता पर आधारित होना चाहिए। यह जरूरी है कि एससीओ क़े सभी देश क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को मान्यता दें। इसके लिए वास्तविक साझेदारी का निर्माण होना चाहिए, न कि एकपक्षीय एजेंडे पर आगे बढ़ा जाना चाहिए। विदेश मंत्री ने सीपीईसी की ओर इशारा करते हुए कहा कि यदि हम दुनियाँ की चुनिंदा प्रथाओं को ही आगे बढ़ाएंगे खासकर व्यापार और व्यापारिक मार्गों के लिए तो एससीओ की प्रगति नहीं हो पाएगी। बता दें कि सीपीईसी को लेकर भारत की चिंता है कि यह परियोजना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरती है, इसे क्षेत्र को भारत अपना अभिन्न हिस्सा मानता है।विदेश मंत्री ने एससीओ शिखर सम्मेलन में कहा कि एससीओ का प्राथमिक लक्ष्य आतंकवाद, अलगाववाद और अतिवाद का मुकाबला करना है। वर्तमान समय में ये और भी महत्वपूर्ण है। इसके लिए ईमानदार बातचीत, विश्वास, अच्छे पड़ोसी और एससीओ चार्टर के प्रति प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। एससीओ को इन तीन बुराइयों का मुकाबला करने में दृढ़ और संकल्पित होने की आवश्यकता है।

साथियों बात अगर हम शंघाई सहयोग संगठन में 16 अक्टूबर 2024 को भारतीय विदेश मंत्री के संबोधन की करें तो, दिन में इस्लामाबाद में एससीओ समिट की बैठक को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि आतंकवाद और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। उन्होंने ने पाकिस्तान और चीन का नाम लिए बिना इशारों-इशारों में कहा कि सभी देशों को एक दूसरे की सीमाओं का सम्मान करने की जरूरत है।उन्होंने कहा कि अगर दोनों देशों के बीच दोस्ती में कमी आई है और पड़ोसी से संबंध बिगड़े हैं तो इस पर आत्मनिरीक्षण किया जाना चाहिए। अगर हमारे बीच भरोसे में कमी आई है तो हमें अंदर झांकने और विचार करने की जरूरत है सीपीईसी की ओर इशारा करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि वैश्वीकरण और पुन:संतुलन आज की वास्तविकताएं हैं। एससीओ देशों को इसे आगे बढ़ाने की जरूरत है। सहयोग, आपसी सम्मान और संप्रभु समानता पर आधारित होना चाहिए।एससीओ समिट का शुरुआत करते हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा पाकिस्तान शांति, सुरक्षा और सामाजिक आर्थिक विकास चाहता है। अफगानिस्तान हमारे साथ जमीनी सीमा साझा करता है, इसलिए वहां शांति हमारे लिए जरूरी है। अफगानी जमीन का इस्तेमाल उसके पड़ोसियों के खिलाफ आतंकवाद के लिए नहीं होना चाहिए।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 23वाँ शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन15-16 अक्टूबर 2024- इस्लामाबाद पाकिस्तान में भारत की हुंकार।भारत की पड़ोसी के घर जाकर हुंकार- अच्छे पड़ोसी संबंधों व विश्वास में गिरावट की परिस्थितियों के कारणों का विश्लेषण करना ज़रूरीभारत का एससीओ को तीन बुराइयों, आतंकवाद अलगाववाद व उग्रवाद का मुकाबला करने का आगाज़ सराहानींय कदम। (लेखक- किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया / ईएमएस)

बांग्लादेश में हिन्दूओं पर अत्याचार, सख्त कार्रवाई की दरकार

बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों एवं हिन्दुओं पर हो रहे हमलें, मशहूर जेशोश्वरी मंदिर में मुकुट का चोरी होना, हिन्दू अल्पसंख्यकों से जबरन इस्तीफा के लिये दबाव बनाने की घटनाएं, दुर्गा पूजा के पंडाल पर हमले चिन्ता के बड़े कारण हैं, यह हिन्दू अस्तित्व एवं अस्मिता को कुचलने की साजिश एवं षडयंत्र है, जिस पर भारत सरकार को गंभीर होने के साथ इन पर नियंत्रण की ठोस कार्रवाई की अपेक्षा है। बीते अगस्त में शुरू हुई राजनीतिक उथल-पुथल के बीच शेख हसीना का प्रधानमंत्री पद से हटना और भारत आने के बाद बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियों को असामाजिक तत्वों व कट्टरपंथियों द्वारा हवा दिया जाना शर्मनाक एवं विडम्बनापूर्ण है। नई दिल्ली में बांग्लादेश के हिन्दू-अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के प्रश्न को लेकर बार-बार चिंता तो व्यक्त की जा रही है, लेकिन करारा एवं सख्त संदेश देने की कोई कोशिश होती हुई नहीं दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा सरकार के शासन में यदि ऐसी घटनाओं पर सख्ती नहीं बरती गयी तो फिर कब बरती जायेगी? यह विडंबना ही है कि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता व कार्यवाहक रूप में सरकार के मुखिया का दायित्व निभा रहे मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में हिन्दुओं एवं हिंदू पहचान के प्रतीकों को निशाना बनाया जाना बदस्तूर रहना किसी अन्तर्राष्ट्रीय साजिश का हिस्सा हो सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख श्री मोहन भागवत ने नागपुर में विजयदशमी पर्व पर आयोजित रैली को सम्बोधित करते हुए हिन्दुओं पर हो रहे इन हमलों को लेकर बड़ा संदेश दिया है, अपेक्षा है सरकार भी जैसे को तैसे वाली स्थिति में आकर हिन्दुओं की रक्षा की सार्थक एवं प्रभावी पहल करें।

बांग्लादेश की आबादी में 7.95 फीसदी-सवा करोड़ से ज्यादा हिंदू शामिल हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में हिंदुओं के खिलाफ जो कुचक्र रचे गये, उसी तरह की साजिश बांग्लादेश में सिर उठा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो महीने में बांग्लादेश के 52 जिलों में हिंदू समुदाय पर हमले की 200 से ज्यादा घटनाएं हुई। आज बांग्लादेश सांप्रदायिकता एवं कट्टरता की आग में झुलस रहा है। सांप्रदायिकता और धार्मिक कट्टरता लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है। दोराहे पर खड़े बांग्लादेश में यह खतरा बढ़ता जा रहा है। खतरे की गंभीरता को देखते हुए वहां अंतरिम सरकार ने हिंदू मंदिरों, गिरजाघरों या अल्पसंख्यकों के किसी भी धार्मिक संस्थान पर हमलों की जानकारी देने के लिए हॉटलाइन शुरू की थी, लेकिन कितनी ही शिकायतें मिलने के बावजूद उन पर कार्रवाई का न होना, इनको लेकर मोहम्मद यूनुस सरकार का चुप्पी साधे रखना इस समस्या को गंभीर बना रहा है। बांग्लादेश के कट्टरपंथी वहां के हिंदुओं के लिए ही नहीं, भारत की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रहे हैं। इन हमलों एवं कट्टरतावादी शक्तियों का सक्रिय होना भारत एवं बांग्लादेश दोनों ही देशों के लिये खतरनाक है। कट्टरपंथियों के निरंकुश बने रहने से वहां की सरकार के इरादे और इच्छाशक्ति सवालों के घेरे में है।

भारत ने उचित तरीकों से ही इन घटनाओं को बेहद गंभीर बताते हुए इन पर न केवल चिंता जताई बल्कि अपनी आपत्ति भी दर्ज कराई। गौर करने की बात है कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का यह मसला धीरे-धीरे दोनों देशों के रिश्तों में खटास घोलते हुए एक अहम फैक्टर बनता जा रहा है। दुर्गापूजा के पंडाल में बम फेंके जाने की खबर स्वाभाविक ही बांग्लादेशी हिंदू बिरादरी को सहमा एवं डरा देने वाली है। जेशोश्वरी मंदिर में मां काली के ताज की चोरी इस मायने में भी अहम है कि यह ताज 2021 में अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तोहफे के तौर पर दिया था। यही नहीं, गुरुवार को चटगांव में दुर्गापूजा के दौरान कुछ लोगों द्वारा जबरन इस्लामी क्रांति के गीत गाए जाने की भी खबर आई। ऐसे में भारत अगर इन घटनाओं के पीछे सुनियोजित साजिश की आशंका जता रहा है तो उसे निराधार नहीं कहा जा सकता। ऐसे में लगातार बिगड़ती स्थितियों में यूनुस और उनके सहयोगियों को शासन और कूटनीति से जुड़े गंभीर मसलों पर परिपक्वता दिखानी होगी। आंदोलन से जुड़े गैर जिम्मेदार तत्व अनाप-शनाप आरोप लगाएं तो कुछ हद तक समझा जा सकता है लेकिन अगर शासन में बैठे लोग भी इन तत्वों का समर्थन करते हुए दिखें तो उसे सही नहीं कहा जा सकता। यह एक अराजकता की स्थिति है।

बांग्लादेश में बद से बदतर हो रहे हालात एवं हिंदुओं पर लगातार हो रहे अत्याचार, उत्पीड़न, हमलों को लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने सावधान कर कोई गलत नहीं किया। सक्रिय, व्यवस्थित और संगठित होकर ही ऐसी नापाक एवं संकीर्ण मानसिकताओं का माकुल जबाव दिया जा सकता है। भागवत ने कहा, ''दुर्बल रहना अपराध है, हिंदू समाज को ये समझना चाहिए। अगर आप संगठित नहीं रहते हैं, तो आपको मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।'' देश के दुश्मनों की ओर इशारा करते हुए मोहन भागवत ने कहा, ''भारत लगातार आगे बढ़ रहा है, लेकिन जब कोई भी देश जो आगे बढ़ रहा होता है तो उसकी राह में अडंगा लगाने वाले लोग भी बहुत सारे होते हैं। इसलिए दूसरे देशों की सरकारों को कमजोर करना दुनिया में चलता रहता है।' लेकिन किसी राष्ट्र को कमजोर करने के लिये हिंदुओं यानी अल्पसंख्यकों पर हमलों का सहारा लेना, उन्हें प्रोत्साहित करना विकृत एवं अराष्ट्रीय मानसिकता का द्योतक है।

वैसे भी बांग्लादेश का विकास भारत के सहयोग पर निर्भर है, जिस भू-भाग को रवींद्रनाथ टैगोर 'आमार सोनार बांग्ला' (मेरा स्वर्णिम बंगाल) कहते थे, जहां की अर्थ-व्यवस्था एवं अन्य विकास योजनाएं भारत के सहयोग से ही आगे बढ़ती रही है, कभी भारत की कोशिशों से ही बांग्लादेश अस्तित्व में आया था। बांग्लादेश को आधी से ज्यादा बिजली भारत से मिलती है। अनाज की बड़ी सप्लाई भी भारत से होती है। अगर भारत ने व्यापारिक संबंध तोड़ लिए तो बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था चौपट हो सकती है। बावजूद इन सब स्थितियों के वहां भारत-विरोधी घटनाओं का उग्र से उग्रतर होना खुद के पांव पर कुल्हाड़ी चलाने जैसा है। बांग्लादेशी आकाओं को भगवान सद्बुद्धि दे। फिर भी अगर बांग्लादेश नहीं सुधरता है तो समय आ गया है कि हिंदुओं को निशाना बनाने की घटनाओं पर भारत कड़ा रुख अख्तियार करे। बांग्लादेश पर दबाव बनाने के साथ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को पुरजोर ढंग से उठाना चाहिए। इसके लिए कूट नीतिक प्रयास तेज करने की जरूरत है।

हिन्दू धर्म भारत की संस्कृति एवं आत्मा है। हिन्दू धर्म संयम, त्याग और बलिदान का धर्म है। इसमें हमेशा दूसरे धर्मों को सम्मान देने का काम किया है। हिन्दू धर्म उदारता, प्रेम, आपसी सद्भाव और सहनशीलता पर आधारित धर्म है। हिन्दू धर्म की सहिष्णुता को कमजोर मानकर हिन्दू धर्म की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कार्य लगातार होता रहा है। वैसे तो प्रत्येक धर्म की अपनी मान्यताएं होती हैं, किन्तु विकृत मानसिकता वाले लोगों ने हिन्दू धर्म को मध्यकाल से ही नीचा दिखाने की कोशिशें कीं। भारत पर लगातार आक्रांताओं के हमले होते रहे और बड़े पैमाने पर धर्मांतरण कराया गया। हिन्दुओं के लाखों मंदिर तोड़े गए। हिन्दुओं से अपने ही देश में हिन्दू होने पर 'जजिया' यानि कर लगाया गया। पूर्व की सरकारों ने भी वोट की राजनीति के चलते हिन्दुओं को दोयम दर्जा पर रखा। फिर भी हिन्दू धर्म ने उदारता और सहनशीलता को नहीं छोड़ा। अगर हिन्दू कट्टर होता तो अन्य धर्मों के लोग भारत में नहीं दिखते। देश बंटवारे के समय पाकिस्तान में 20 प्रतिशत से ज्यादा हिन्दू थे लेकिन आज उनकी आबादी 2 प्रतिशत भी नहीं रही और भारत में मुसलमानों की आबादी 2 प्रतिशत से 20 प्रतिशत नहीं होती। यह हिन्दू उदारता का ही परिणाम है। लेकिन प्रश्न है कि आखिर कब तक हिन्दू ऐसी अग्नि परीक्षा देता रहेगा? कब तक हिन्दू की सहिष्णुता को कमजोरी मानकर उन पर अत्याचार होते रहेंगे? कब तक हिन्दू शक्तिसम्पन्न होकर भी निर्बल बना रहेगा? इन सवालों के जबाव तलाशने होंगे वर्ना हिन्दुओं को अस्तित्वहीन करने की कोशिशें कामयाब होती रहेगी। (लेखक- ललित गर्ग/ ईएमएस)

विश्व कप शूटिंग स्पर्धा के लिए कपासिया तकनीकी अधिकारी मनोनीत

इन्दौर (ईएमएस) दिल्ली स्थित करणीसिंह शूटिंग रेंज में आयोजित होने वाली आइएसएसएफ वर्ल्ड कप शूटिंग स्पर्धा में बतौर तकनीकी अधिकारी अपनी सेवाएं देने के लिए के एस कपासिया को आमंत्रित किया गया हैं। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में बतौर तकनीकी अधिकारी सेवाएं देने वाले कपासिया मध्य प्रदेश से एकमात्र व्यक्ति हैं और इसके पहले वे चार वर्ल्ड कप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। निशानेबाजी की इस शीर्ष स्पर्धा वर्ल्ड कप शूटिंग में फाइनल्स के दौरान राइफल, पिस्टल, शाटगन की स्पर्धा आयोजित की जा रही है।

शब्द पहेली - 8161

बाएँ से दाएँ

1.रमण योग्य-4
4.साल,वर्ष-3
6.बांया-2
7.राय,वोट-2
9.तकरार,कहासुनी-4
11.अंधकार,अंधेरा-3
12.सरल,आसान-3
13.चील,ईगल-2
14.देवदास की प्रेमिका-2
15.सूली,क्रूस-3
17.कारण-3
19.मन को हरने वाला-4
21.कार्य,काज-2
23.बाण,तीर-2
24.दबाना,कुचलना-3
25.हाथी चलाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1.परंपरा,रीति-रिवाज-4
2.संस्कृत में 'मेरा'-2
3.भरोसा,विश्वास-3
4.दीदी,भगिनी-3
5.समान,एक जैसा-2
8.अंधेरा,अंधकार-3
9.बोरिया बिस्तर-4
10.रिहा-2
12.तालाब,जलाशय-4
15.तमीज,शिष्टता-3
16.मछली,एक राशि-2
18.ज्वरताप-4
19.चिंतन,विचार-3
20.रनिवास (उर्दू)-3
22.नशा,अभिमान-2
23.पार्थिव देह,लाश-2

शब्द पहेली -8160 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

भारतीय टीम के नाम रहा ये अनचाहा रिकार्ड , ओवरऑल तीसरा सबसे छोटा स्कोर बनाया

बेंगलुरू (ईएमएस)। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में अपनी पहली पारी में केवल 46 रनों पर ही सिमट गयी। इसी के साथ ही भारतीय टीम के नाम अपनी ही धरती पर सबसे कम स्कोर का एक रिकार्ड जुड़ गया है। यह भारतीय टीम का घरेलू टेस्ट मैचों में सबसे छोटा और ओवरऑल तीसरा सबसे छोटा स्कोर और स्कोर है। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी और विलियम ओरूक के सामने भारतीय बल्लेबाज टिक नहीं पाये। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करना भी भारतीय टीम के कप्तान रोहत शर्मा को भारी पड़ा क्योंकि मैदान में नमी थी। रोहित ने टॉस जीतते ही साफ कर दिया था कि वे पहले बल्लेबाजी क्यों करना चाहते थे पर अगर टीम इंडिया की अंतिम ग्यारह को देखें तो पहले बल्लेबाज के अलावा उसके पास विकल्प भी नहीं था।

भारतीय टीम इंडिया इस मैच में 3 स्पिनर और दो तेज गेंदबाजों के साथ उतरी है। इससे तय है कि भारतीय कप्तान और कोच ने बेंगलुरू की पिच के बारे में गलत अनुमान लगाया। जब मैच के शुरुआती 4 दिन बारिश का अनुमान हो और पिच से तेज गेंदबाजों को मदद मिलने की उम्मीद हो, तब प्लेइंग इलेवन से तेज गेंदबाज को बाहर कर स्पिनर को शामिल करना सही फैसला नहीं कहा जा सकता।

भारतीय टीम की डब्ल्यूटीसी फाइनल की राह आसान नहीं

बेंगलुरु (ईएमएस)। भारतीय टीम का लक्ष्य अब आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में पहुंचाना है। इसके लिए भारतीय टीम को अब तीन मैचों में जीत चाहिये। भारतीय टीम को हालांकि पिछले दो अवसरों पर उसे खिताबी हार का सामना करना पड़ा। पहली बार फाइनल में उसे न्यूजीलैंड और फिर ऑस्ट्रेलिया ने हराया था। भारत इस समय आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में शीर्ष पर है पर फाइनल की राह अभी आसान नहीं है। न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत प्रकार टीम पहली पारी में 46 रनों पर सिमटी है उससे पहला टेस्ट उसके हाथ से निकलता जा रहा है।

भारतीय टीम के पास अभी 11 टेस्ट खेलने के बाद 74.24 अंक फीसदी है। वहीं दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलियाई टीम के 12 टेस्ट के बाद 62.50 अंक जिससे वह और भारतीय टीम फाइनल में पहुंचने के लिए पसंदीदा बन गए हैं जबकि श्रीलंका 9 टेस्ट के बाद 55.56 के साथ तीसरे स्थान पर है। इंग्लैंड 17 के बाद 45.59 के साथ चौथे स्थान पर है। दक्षिण अफ्रीका 38.89 के शीर्ष पांच में शामिल है।

भारत को फाइनल में पहुंचने के लिए तीसरे नंबर की टीम श्रीलंका से भी खतरा है। श्रीलंकाई टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में शानदार जीत हासिल की है। उसे अब दक्षिण अफ्रीका से खेलना है। इंग्लैंड भी अभी पाकिस्तान के खिलाफ 3 टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रहा है उसने पहला टेस्ट जीता है अगर वह ये सीरीज और आने वाली सीरीज जीतता है तो वह भी शीर्ष टीमों के लिए खतरा बन सकता है।

बीसीसीआई अब मंधाना या जैमिमा को नया कप्तान बना सकती है

मुंबई (ईएमएस)। आईसीसी महिला टी20 विश्वकप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन के बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर को पद से हटाया जाना तय माना जा रहा है। हरमनप्रीत की जगह नई कप्तान बनाने का दबावा भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर बढ़ता जा रहा है। कई दिग्गजों का मानना है कि अब भविष्य को देखते हुए किसी युवा खिलाड़ी को कप्तानी सौंपनी चाहिये। ऐसे में बीसीसीआई जल्द ही हरमनप्रीत की जगह नई कप्तान चुन सकती है। नये कप्तान के लिए स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स को सबसे बड़ा दावेदार माना जा रहा है। पूर्व कप्तान मिताली राज का मानना है कि अगर भारतीय टीम प्रबंधन नए कप्तान की ओर देख रही है, तो निर्णय लेने का यही सही समय है। साथ ही कहा कि मंधाना अनुभवी हैं पर युवा जेमिमा को कप्तान बनाया जाना ज्यादा बेहतर रहेगा।

मिताली ने कहा, अगर चयनकर्ता बदलाव का मन बना रहे हैं तो मैं एक युवा कप्तान के साथ जाऊंगी। बदलाव का यही समय है क्योंकि अगर आप और देर करेंगे, तो अगले अक्टूबर में वनडे विश्व कप भी है। अगर आप अभी कप्तान नहीं बदलेंगे तो बाद में कप्तान बदलने का कोई मतलब नहीं होगा।

उन्होंने आगे कहा, स्मृति मंधाना 2016 से उपकप्तान हैं और वह एक अच्छा विकल्प हैं लेकिन मैं जेमिमा के साथ जाना चाहूंगी क्योंकि वह अभी 24 वर्ष की हैं और काफी युवा हैं। वह अधिक समय तक टीम का नेतृत्व कर सकती हैं। वह एक ऐसी खिलाड़ी हैं जो मैदान पर अपने साथ काफी ऊर्जा लेकर आती हैं। वह हर किसी से बात करती हैं। मैं इस टूर्नामेंट में उनसे काफ़ी प्रभावित हुई।

नीतू आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाली दूसरी क्रिकेटर बनी

पुरुष वर्ग में डिविलियर्स और कुक को मिला अवार्ड

दुबई (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व स्पिनर नीतू डेविड को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। नीतू यह सम्मान हासिल करने वाली दूसरी भारतीय महिला क्रिकेटर हैं। नीतू के नाम टेस्ट क्रिकेट की एक पारी में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी 53 रन देकर आठ विकेट लेने का रिकार्ड है। इससे पहले पूर्व कप्तान डाइना इडुल्जी को भी आईसीसी हॉल ऑफ फेम से सम्मानित किया गया था। वहीं पुरुष वर्ग में दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज रहे एबी डिविलियर्स और इंग्लैंड के एलिस्टेयर कुक को भी हॉल ऑफ फेम का अवार्ड मिला है।

भारतीय महिला टीम की चयन समिति की मौजूदा अध्यक्ष नीतू को पूर्व कप्तान डाइना इडुल्जी को शामिल किए जाने के एक साल बाद आईसीसी हॉल ऑफ फेम में जगह मिली है। बाएं हाथ की स्पिनर नीतू ने भारत के लिए 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच (10 टेस्ट और 97 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय) खेले। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 47 साल की नीतू 141 विकेट के साथ भारत की दूसरी सबसे सफल गेंदबाज हैं। वह 50 ओवर के प्रारूप में 100 विकेट के आंकड़े को छूने वाली देश की पहली महिला गेंदबाज भी रहीं।

अवार्ड मिलने से उत्साहित नीतू ने कहा, 'आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना बेहद सम्मान की बात है जिसे मैं राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने वाले किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ा सम्मान मानती हूं। उन्होंने कहा, 'यह इस महान खेल के लिए जीवन भर के समर्पण के बाद आता है और यह मेरे लिए यहां तक पहुंचने की एक बहुत ही विशेष यात्रा है।

नीतू ने कहा, 'अब तक के सबसे महान खिलाड़ियों के साथ हॉल ऑफ के विशिष्ट क्लब का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। गौरतलब है कि नीतू ने 1995 में 17 साल की उम्र में नेलसन में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला। उन्होंने 1995 में ही जमशेदपुर में इंग्लैंड के खिलाफ आठ विकेट लिए थे जो आज भी महिला टेस्ट में एक पारी में सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत गेंदबाजी प्रदर्शन है। नीतू ने 10 टेस्ट में 41 विकेट लिए जबकि 97 एकदिवसीय मुकाबलों में 16.34 के औसत से 141 विकेट हासिल किए। नीतू ने 2006 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया लेकिन दो साल बाद अपना फैसला बदलते हुए एकदिवसीय प्रारूप में एशिया कप और भारत के इंग्लैंड दौरे पर खेलीं।

वहीं कुक ने 250 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में इंग्लैंड की ओर से खेला है। उन्होंने 2018 में इंग्लैंड की ओर से सबसे अधिक टेस्ट रन और शतक बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा। वह कप्तान के रूप में भी काफी सफल रहे जबकि डिविलियर्स ने 14 साल के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में तीनों प्रारूपों में 20 हजार से अधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाए। मैदान के चारों तरफ शॉट खेलने की क्षमता के लिए डिविलियर्स को 'मिस्टर 360 भी कहा जाता है।

एशेज सीरीज का पहला मुकाबला पर्थ में खेला जाएगा

मेलबर्न (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच होने वाली 2025-26 की एशेज सीरीज का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। अगले साल 21 नवंबर से शुरु होने वाली इस सीरीज का पहला मैच पर्थ में खेला जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) इस सीरीज का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसमें पर्थ 21 नवंबर को पर्थ में पहला मैच होगा। वहीं ब्रिस्बेन के गाबा में 4 दिसंबर से दिन-रात का दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। वहीं एडिलेड ओवल में तीसरा टेस्ट होगा। तीसरा टेस्ट प्री-क्रिसमस टेस्ट होगा, जो अगले दो टेस्ट, बॉक्सिंग डे टेस्ट, 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में सीरीज का चौथा मैच और 4 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में नए साल का सीरीज का अंतिम मैच होगा।

एडिलेड ऑस्ट्रेलिया में सबसे पहले दिन-रात का पहला टेस्ट पहला मैच 2015 में हुआ था। इसके अलावा इस मैदान में साल 2017-18 और 2021-22 सीरीज में दो दिन-रात के टेस्ट हुए थे। गाबा ने पहले तीन दिन-रात टेस्ट की मेजबानी की थी जिसमें इस साल की शुरुआत में जनवरी में वेस्टइंडीज की प्रसिद्ध जीत भी शामिल थी। यह पहली बार है जब ब्रिसबेन को 1982-83 के बाद से एशेज सीरीज के पहले मैच की मेजबानी नहीं मिली है। पर्थ पहला टेस्ट आयोजित करेगा और दूसरा टेस्ट ब्रिसबेन में होगा। इस बात की अच्छी संभावना है कि एशेज 2025-26 गाबा टेस्ट स्टेडियम में आखिरी टेस्ट होगा क्योंकि 2026-27 और उसके बाद वहां कोई टेस्ट निर्धारित नहीं है। स्टेडियम अपनी मौजूदा स्थिति में 2030 तक उपयोग करने योग्य नहीं होगा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 494 , निफ्टी 221 अंक गिरा

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ । बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इससे भारतीय बाजार पर दबाव पड़ा है और वह नीचे आया । आज कारोबार के दौरान । रियल्टी, ऑटो और कंज्यूमर ड्यूरेबल शेयरों में भारी बिकवाली से भी बाजार गिरा ।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज 0.61 फीसदी तकरीबन 494.75 अंक नीचे आकर 81,006.61 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं इसी पकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 0.89 फीसदी तकरीबन 221.45 अंक फिसलकर 24,749.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी की 41 कंपनियों के शेयर नीचे आये जबकि केवल 9 के शेयर ही लाभ में रहे।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में नेस्ले इंडिया का शेयर 3 फीसदी से ज्यादा गिरा । सितम्बर तिमाही का लाभ भी 0.94 फीसदी नीचे आकर 899.49 करोड़ रुपये रहने से एफएमसीजी कंपनी के शेयर में यह गिरावट आई है। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्रा सीमेंट, बजाज फिनसर्व, टाइटन, टाटा स्टील, मारुति, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स के शेयर भी नीचे आये।

वहीं दूसरी ओर इन्फोसिस, टीसीएस (टीसीएस), टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक जैसी आईटी कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए। साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रीज, पावर ग्रिड, एल एंड टी के शेयर भी लाभ पर बंद हुए।

जानकारों के अनुसार बाजार में गिरावट का एक बड़ा कारण बजाज ऑटो के शेयरों का नीचे आना रहा। बजाज ऑटो के शेयर आज 12 फीसदी तक नीचे आये। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की निकासी से भी बाजार पर दबाव आया।

विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 3,435.94 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। वहीं गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए जबकि यूरोप के बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। बुधवार को अमेरिकी बाजार पॉजिटिव दायरे में बंद हुए थे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी से हुई। अमेरिकी शेयर बाजार की तेजी से उत्साहित होकर बाजार में लगातार दो दिन से जारी गिरावट पर ब्रेक लग गया। बेंचमार्क इंडेक्स, सेंसेक्स और निफ्टी ने हरे निशान पर कारोबार की शुरुआती की। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 192 अंक की बढ़त लेकर 81,693 पर खुला। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 0.06 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 4,986 पर खुला। विदेशी बाजारों की बात करें तो एशिया-पैसिफिक बाजारों में वॉल स्ट्रीट की बढ़त के बाद तेजी देखी जा रही है। जापान का निक्की 225 इंडेक्स 0.27 फीसदी बढ़ा, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.85 फीसदी चढ़ा। कोरिया का कोस्पी 0.17 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था।

रिकॉर्ड स्तर छूने के बाद सोने में गिरावट, चांदी भी सुस्त

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गुरुवार को तेजी के साथ हुई। इसके साथ ही सोने के वायदा भाव ने अब तक का सर्वोच्च स्तर छू लिया। हालांकि इसके बाद भाव नरम पड़ गए। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ ही हुई। सोने के वायदा भाव 76,650 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 91,550 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने के भाव में तेजी और चांदी के भाव में नरमी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में भाव नरम पड़ गए। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 197 रुपये की तेजी के साथ 76,861 रुपये के भाव पर खुला। हालांकि खबर लिखे जाने के समय यह 13 रुपये की गिरावट के साथ 76,651 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 76,861 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 76,626 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस साल 76,861 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 346 रुपये की गिरावट के साथ 91,837 रुपये पर खुला। यह 626 रुपये की गिरावट के साथ 91,557 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 91,837 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 91,503 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। इस साल चांदी के वायदा भाव ने 96,493 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था।

वैश्विक बाजार में आज सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,690.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 2,691.30 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 0.20 डॉलर की गिरावट के साथ 2,691.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.90 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.97 डॉलर था। इस समय यह 0.26 डॉलर की गिरावट के साथ 31.71 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

न्यूजीलैंड ने भारत पर शिकंजा कसा ,134 रनों की बढ़त हासिल की

भारत पहली पारी 46 , न्यूजीलैंड 180/3

बेंगलुरु (ईएमएस)। न्यूजीलैंड ने यहं के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में वर्षा प्रभावित पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के खिलाफ बढ़त बना ली है। वर्षा प्रभावित इस मैच में आज सुबह टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम अपनी पहली पारी में 46 रनों पर ही आउट हो गयी। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी ने 5 जबकि विलियम ओरोर्के ने 4 विकेट लिए। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए मेहमान कीवी टीम ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में 3 विकेट के नुकसान पर 180 रन बना लिए थे। दिन का खेल समाप्त होने के समय रचिन रविन्द्र 22 और डेरिच मिचेल 14 रन बनाकर खेल रहे थे। वहीं डेवोन कॉनवे 91) रन बनाकर आउट हुए। इस प्रकार पहले पारी के आधार पर मेहमान टीम ने 134 रनों की बढ़त हासिल कर ली है। इससे पहले आज सुबह भारतीय टीम पहली पारी में 46 रनों पर ही आउट हो गयी। भारतीय टीम की बल्लेबाजी कितनी खराब रही उसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि विराट कोहली सहित टीम के पांच बल्लेबाज शून्य पर ही आउट हो गये। युवा सरफराज खान को काफी समय बाद टेस्ट खेलने का अवसर मिला पर वह भी अपना खाता नहीं खोल पाये। मेहमान टीम न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी ने 5 जबकि विलियम ओरोर्के ने 4 विकेट लेकर भारतीय बल्लेबाजी को ध्वसत कर दिया। विराट ओर सरफराज के अलावा, केएल राहुल, रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन भी अपना खाता नहीं खोल पाये। कप्तान रोहित शर्मा ने केवल 2 रन बनाए जबकि यशस्वी जायसवाल ने 13 रन वह ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 20 रन बनाये।

भारत ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन गुरुवार को टॉस जीतकर न्यूजीलैंड के खिलाफ बल्लेबाजी से शुरुआत करने का फैसला किया। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टॉस के बाद रोहित ने कहा कि पिच शुरु में गेंदबाजो के लिए मददगार साबित हो सकती है लेकिन विकेट के नेचर को देखते हुए उनकी टीम स्कोरबोर्ड पर अधिक से अधिक रन का स्कोर खड़ा करना चाहती है इसलिए उन्होंने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया है।

रोहित ने दूसरे दिन गुरुवार टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया जो गलत साबित हुआ और टीम ने शुरुआत में ही विकेट खो दिये। रोहित ने कहा कि पिच शुरु में गेंदबाजों के लिए सहायक साबित हो सकती है पर विकेट को देखते हुए उनकी टीम पहले बल्लेबाजी कर अधिक से अधिक रन का स्कोर खड़ा करना चाहती है इसलिए उन्होंने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। वहीं किवी टीम के कप्तान टॉम लेथम ने कहा कि खराब मौसम के कारण उनकी टीम को तैयारी करने का पर्याप्त मौका नहीं मिल पाया लेकिन विकेट काफी समय तक ढका रहा है और बारिश भी हुई है तो ऐसे में उन्हें उम्मीद थी कि सतह से उनके तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी जो सही निकली।

भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अपना खाता भी नहीं खोल पाये। वहीं घरेलू क्रिकेट में जमकर रन बनाने वाले युवा सरफराज खान भी यहां असफल रहे और शून्य पर ही आउट हो गये। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के पिच पर नमी के बाद भी पहले बल्लेबाजी करने का फैसला बेहद गलत साबित हुआ। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज विकेट पर छाये रहे। इससे भारतीय टीम का शीर्ष क्रम ताश के पत्तों की तरह से ढ़हने लगा। टीम ने शुरुआती 10 ओवर के अंदर ही 10 रन पर रोहित शर्मा, विराट कोहली और सरफराज खान के विकेट गंवा दिए।

सातवें ओवर में रोहित शर्मा जब 16 गेंद में सिर्फ दो रन बनाकर क्लीन बोल्ड हुए तो पारी को संभालने की जिम्मेदारी विराट के कंधों पर थी पर वह बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद चौथी गेंद पर सरफराज खान भी 0 पर निपट गए। इस तरह न्यूजीलैंड ने पांच गेंद के भीतर भारत के दो दिग्गज बल्लेबाजों को 0 पर आउट कर दिया।

भारत बनेगा दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था ,लेकिन यहां चिंता

मुंबई (ईएमएस)। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी ने गुरुवार जारी अपनी रिपोर्ट में बताया कि भारत बेशक सबसे तेज अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है, लेकिन बढ़ती जनसंख्या और पर्यावरण को लेकर चुनौतियां भी दरकिनार नहीं की जा सकती है। रिपोर्टों का कहना है कि भारत में कार्बन-उत्सर्जन संबंधी चुनौतियां बड़ी बाधाओं के रूप में उभर सामने आ रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया हैं कि भारत 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर (30 लाख करोड़ डॉलर) की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखता है, अभी फिलहाल यह 3.6 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था है।

रिपोर्ट में बताया गया हैं कि भारत वर्तमान में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और आने वाले तीन सालों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। एक अन्य रेंटिग एजेंसी ने कहा कि 2035 तक, उभरते बाजार ग्लोबल इकनॉमिक ग्रोथ का लगभग 65 प्रतिशत योगदान देगा, जिसमें भारत, चीन, वियतनाम और फिलीपींस जैसे एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देश प्रमुख भूमिका निभाएंगे। रेंटिग एजेंसी ने कहा, इस दौरान, भारत के तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की संभावना है। 2035 तक, भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा,वहीं इंडोनेशिया आठवें और ब्राजील नौवें स्थान पर होगा। एजेंसी ने कहा 2035 तक एमर्जिंग देशों की औसतन जीडीपी ग्रोथ 4.06 प्रतिशत होगी, जबकि एडवांस अर्थव्यवस्थाओं यानी विकसित देशों के लिए यह 1.59 प्रतिशत होगी। रेंटिग एजेंसी को उम्मीद है कि 2024 में भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत और 2025 में 6.6 प्रतिशत रहेगी। इसके साथ ही भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहेगा। एजेंसी की रिपोर्ट ने गुरुवार कहा कि भारत की आर्थिक विकास दर और बढ़ती आबादी से उत्पन्न कार्बन-उत्सर्जन एक गहरी चिंता की बात है। भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और औद्योगीकरण से एनर्जी और कार्बन-उत्सर्जन वाले प्रोडक्ट्स की मांग में तेजी से इजाफा होगा। 2022 में भारत का ग्लोबल ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन 7.5 प्रतिशत तक पहुंच गया, और यह अगले कुछ वर्षो में और बढ़ सकता है। जबकि 2019 में यह 6.7 प्रतिशत पर था। गौरतलब है कि भारत ने 2070 तक जीरो उत्सर्जन हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया है और 2030 के अंतरिम डिकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों की दिशा में कुछ प्रगति की है। हालांकि, देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को बढ़ाने का काम करेगी।

संकट में हसीना,18 नवंबर को कोर्ट में जाहिर हो

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश हिंसक विरोध के बाद देश से भागकर भारत में रह रहीं पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की टेंशन बढ़ गई है। बांग्लादेश की यूनुस सरकार ने ऐसा कदम उठाया है कि हसीना को भारत छोड़कर बांग्लादेश जाना पड़ सकता है। इंटरनेशनल क्राइम ट्रीब्यूनल (बांग्लादेश) ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है। यह ट्रिब्यूनल उनके खिलाफ इसी साल के छात्र आंदोलन के दौरान हिंसा और नरसंहार को लेकर गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। कोर्ट ने हसीना को 18 नवंबर को पेशी का आदेश दिया है।

दरअसल अभियोजन पक्ष ने हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के खिलाफ छात्र विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई हत्याओं में कथित रूप से शामिल 50 अन्य लोगों के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट का अनुरोध किया है। ट्रिब्यूनल को अब तक निर्वासित नेता और उनकी पार्टी के सहयोगियों के खिलाफ जबरन गायब करने, हत्या और सामूहिक हत्याओं की 60 शिकायतें मिल चुकी हैं। हसीना के 15 साल के शासन में व्यापक मानवाधिकार हनन देखने को मिले, जिसमें उनके राजनीतिक विरोधियों को बड़े पैमाने पर हिरासत में लेना और उनकी हत्याएं शामिल हैं।

शेख हसीना जब बांग्लादेश की सत्ता में आई थी, तब आरक्षण को लेकर देशव्यापी आंदोलन शुरू हुआ था। सरकारी नौकरियों की कमी से परेशान छात्र, एक इसतरह का कोटा को समाप्त करने की मांग कर रहे थे, जो 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम में लड़ने वाले दिग्गजों के रिश्तेदारों के लिए 30 प्रतिशत सरकारी नौकरियों में रिजर्वेशन देता था। बता दें कि अगस्त में ही हसीना के प्रत्यर्पण की मांग हो रही थी। बांग्लादेश की मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी यानी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने मुकदमा चलाने के लिए भारत से कई मौको पर हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की थी। लेकिन अब इंटरनेशनल क्राइम ट्रीब्यूनल (बांग्लादेश) के हसीना के गिरफ्तारी वारंट और केस चलाने के आदेश पर भारत या फिर बांग्लादेश क्या फैसला लेता।

ईरान के बॉर्डर गाड्र्स ने 250 अफगान नागरिकों को मौत के घाट उतारा

तेहरान (ईएमएस)। ईरान के बॉर्डर गाड्र्स की ओर से अफगानिस्तान सीमा पर की गई गोलीबारी में 250 अफगान नागरिकोंकी मौत हुई है। ईरान मानवाधिकार संगठन ने ये दावा किया है। संगठन के मुताबिक ये लोग अफगान शरणार्थी थे, जो ईरान की सीमा में प्रवेश कर रहे थे।

संगठन ने पीड़ितों के शवों को दिखाते हुए एक वीडियो भी साझा किया है, जिसमें बताया गया है कि इन व्यक्तियों को सीमावर्ती क्षेत्र में मार दिया गया। खुलासा हुआ हैं कि प्रवासियों के समूह में 300 से ज्यादा लोग शामिल थे। इस समूह में से 50 ही जिंदा बच सके। इस गुट के बाकी लोग गोलीबारी में मारे गए।

यह रिपोर्ट ईरानी बलों के अफगान शरणार्थियोंकेउत्पीड़न,यातनाऔर दुर्व्यवहार की खबरों केबीच आई है। ईरानी सीमा रक्षकों की कार्रवाई पर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी तीखी प्रतिक्रिया हुई है। हालांकि अभी तक अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के अधिकारियों की ओर से मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है। ईरान में बड़ी संख्या में अफगान शरणार्थी हैं लेकिन इनकी स्थिति काफी गंभीर है। ईरान में अफगान शरणार्थियों को मानवीय औरबुनियादी अधिकारों के उल्लंघन का सामना करना पड़ रहा है।

तानाशाह ने आधिकारिक तौर पर माना...... दक्षिण कोरिया शत्रु राष्ट्र

प्योंगयान (ईएमएस)। सनकी तानाशाह के देश उत्तर कोरिया ने हाल में संशोधित किए गए अपने संविधान में दक्षिण कोरिया को पहली बार ''शत्रु राष्ट्र माना है। उत्तर कोरिया ने इसकी पुष्टि की है। उ.कोरिया की संसद ने संविधान में परिवर्तन करने के लिए पिछले सप्ताह दो दिन तक बैठक की थी, लेकिन मीडिया को इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। दरअसल किम जोंग उन ने जनवरी में द.कोरिया को देश का मुख्य शत्रु घोषित करने, शांतिपूर्ण कोरियाई एकीकरण के लक्ष्य को समाप्त करने तथा उत्तर कोरिया की संप्रभुता एवं क्षेत्र को परिभाषित करने के लिए संविधान में बदलाव का आह्वान किया था। हाल में उ.कोरिया ने उन सड़कों और रेल संपर्क सुविधाओं को ध्वस्त कर दिया जो अब उपयोग में नहीं हैं और जो कभी उत्तर कोरिया को दक्षिण कोरिया से जोड़ती थीं।

केंद्रीय कैबिनेट से गुहार,रॉकेट हो गए रेलवे से जुड़ी कंपनियों के शेयर

मुंबई (ईएमएस)। गुरुवार को शेयर बाजार में रेलवे से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में भारी उछाल देखा गया और बीएसई पर इनकी कीमतों में 7.27 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज की गई। हालांकि, इस दौरान बाजार रुक्षान कमजोर रहा। इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन (आईआरएफसी), इरकोन इंटरनेशनल, आरआईटीईएस, रेल विकास निगम (आरवीएनएल), और टीटागढ़ रेल सिस्टम्स (टीआरएसएल) के शेयरों में 2.45 प्रतिशत से लेकर 7.27 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई। वहीं, बीएसई सेंसेक्स 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,083.05 पर कारोबार कर रहा था। इन शेयरों में तेजी का कारण केंद्रीय कैबिनेट द्वारा उत्तर प्रदेश में रेल मंत्रालय के लिए एक मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट को मंजूरी मिलना है। इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 2,642 करोड़ रुपये है। रियोजना से रेलवे की माल ढुलाई क्षमता में बढ़ोतरी की उम्मीद है, जिसमें करीब 2.8 करोड़ टन अतिरिक्त माल ढुलाई का अनुमान है। केंद्रीय कैबिनेट ने कहा कि ''प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना रेलवे ऑपरेशन को आसान बनाएगी और भीड़भाड़ को कम करेगी, इससे भारतीय रेल के सबसे व्यस्त हिस्सों में जरूरी सुविधाओं का विकास होगा। यह परियोजना उत्तर प्रदेश के वाराणसी और चंदौली जिलों में फैली हुई है। कैबिनेट ने कहा, इस परियोजना के तहत भारतीय रेलवे के नेटवर्क में करीब 30 किलोमीटर का विस्तार होगा और इसके साथ ही 149 करोड़ किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी, जो छह करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है। व्यक्तिगत शेयरों में, रेल विकास निगम (आरवीएनएल) 7.27 प्रतिशत उछलकर 514.40 रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। इरकोन इंटरनेशनल 3.58 प्रतिशत बढ़कर 231.35 रुपये, तितागढ़ रेल सिस्टम्स 7.10 प्रतिशत बढ़कर 1,212.90 रुपये, आरआईटीईएस 4.30 प्रतिशत बढ़कर 318.45 रुपये और आईआरएफसी 2.45 प्रतिशत बढ़कर 154.40 रुपये पर कारोबार कर रहा था। टेक्समा को रेल एंड इंजीनियरिंग भी 2.35 प्रतिशत बढ़कर 215.35 रुपये पर पहुंचा।

एससीओ बैठकः पाकिस्तान-भारत ने एक-दूसरे पर सीधा हमला बोलने से किया परहेज

दोनों देशों के रिश्तों में जमी बर्फ पिघलने का पहला संकेत

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में हिस्सा लेने के बाद भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर भारत लौट गए हैं। जयशंकर ने स्वागत करने के लिए पाकिस्तान को धन्यवाद दिया। पाकिस्तानी मीडिया ने एक वीडियो जारी करके दावा किया है कि भारत और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों के बीच खाने की मेज पर अनौपचारिक बातचीत हुई। भारत के किसी विदेश मंत्री की एक दशक के बाद यह पहली पाकिस्तान यात्रा थी। इस दौरे पर पाकिस्तान और भारत दोनों ने एक-दूसरे पर सीधा हमला बोलने से परहेज किया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय विदेश मंत्री ने इस्लामाबाद आने से पहले साफ कर दिया था कि वह कोई भी द्विपक्षीय बातचीत नहीं करेंगे। इसके बाद जयशंकर और पाकिस्तानी डेप्युटी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार के बीच खाने की मेज पर बातचीत हुई। वहीं नवाज शरीफ ने एससीओ समिट शुरू होने से ठीक पहले एक इंटरव्यू में भारत से रिश्ते सुधारने की बात कही है। विश्लेषकों का कहना है कि नवाज शरीफ के अनुरोध और पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ के तीखे बयान नहीं देने के बाद यह अनौपचारिक बातचीत संभव हुई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह बातचीत भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते में जमी बर्फ को पिघलने का पहला संकेत है। पाकिस्तान सरकार के सूत्र ने दावा किया कि शहबाज शरीफ ने जब कोई तीखा बयान नहीं दिया तो जयशंकर ने भी इससे परहेज किया।

शहबाज ने एससीओ चार्टर के मुताबिक भाषण दिया। यही नहीं भारतीय विदेश मंत्री ने बिलावल भुट्टो से इतर जैसा कि वादा किया था, अपने पूरे दौरे में गरिमापूर्ण व्यवहार किया। इससे पहले जब पाकिस्तान के तत्कालीन विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो गोवा में एससीओ की बैठक में आए थे तब उन्होंने भारत के खिलाफ जहरीला बयान दिया था। इसको लेकर पाकिस्तानी विश्लेषकों ने भी बिलावल की आलोचना की थी।

जयशंकर ने पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और विदेश मंत्री इशाक डार का आभार जताया। उन्होंने एक दिवसीय दौरे के समापन के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए उनको धन्यवाद दिया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट में लिखा-इस्लामाबाद से प्रस्थान कर रहा हूं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार तथा पाकिस्तान सरकार को आतिथ्य और शिष्टाचार के लिए धन्यवाद।

अमेरिका का नामो-निशान मिटने ताना शाह की सेना में शामिल हो रहे युवा

प्योंगयांग (ईएमएस)। उत्तर कोरिया में एक हफ्ते में 14 लाख मिलियन युवाओं ने सेना में शामिल होने या फिर से फौज में लौटने का आवेदन किया है। ये तब हुआ है, जब उत्तर कोरिया की ओर से दक्षिण कोरिया पर ड्रोन घुसपैठ का आरोप लगाया गया था। इसके बाद दोनों देशों में तनाव बढ़ा और स्थिति युद्ध जैसी बन गई थी।

सरकारी मीडिया के मुताबिक, लाखों छात्रों, युवा लीग कार्यकर्ताओं और युवाओं ने सेना में शामिल होने के लिए याचिका पर हस्ताक्षर किए। इन लोगों ने दुश्मन को खत्म करने के लिए लड़ने की कसम खाई है। मीडिया रिपोर्ट में कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें युवाओं की भीड़ किसी अज्ञात स्थान पर याचिकाओं पर हस्ताक्षर कर रही है।

तानाशाह की सरकार का दावा है कि कोरियाई पीपुल्स आर्मी में भर्ती होने के लिए लाखों युवा अपनी मर्जी से सामने आकर आवेदन कर रहे हैं।यह तब है, जब कोरियाई प्रायद्वीप पर तनाव चरम पर है। उत्तर कोरिया पहले भी अपनी सेना के बारे में इस तरह के दावे करता रहा है।

पिछले साल दावा किया गया था कि उसके आठ लाख युवा अमेरिका के खिलाफ लड़ने के लिए स्वेच्छा सेना में शामिल हुए हैं। 2017 में भी 35 लाख युवाओं के सेना में शामिल होने की बात कही गई थी। हालांकि उत्तर कोरिया के दावों की कभी भी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

डिजिटल अर्थव्यवस्था 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने में एआई निभाएगा अहम भूमिका

नई दिल्ली,(ईएमएस)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को 2028 तक 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह खुलासा गूगल की रिपोर्ट से हुआ है। यह देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब 20 फीसदी होगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि एआई न केवल आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा, बल्कि भारत को वैश्विक स्तर पर उभरने में भी मदद करेगा।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2030 तक भारत में एआई के व्यापक उपयोग से कम से कम 33.8 लाख करोड़ रुपए का आर्थिक मूल्य हासिल हो सकता है। रिपोर्ट बताती है कि भारत अपनी तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, उत्कृष्ट तकनीकी प्रतिभा, युवा जनसंख्या और जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम के साथ एआई से मिलने वाले लाभों का पूरी तरह से उपयोग करने के लिए तैयार है।

रिपोर्ट में कहा गया है एआई पहले से ही कृषि और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। एआई-संचालित प्लेटफ़ॉर्म एग्रोस्टार किसानों को सशक्त बनाकर फसल उत्पादन बढ़ाने में मदद कर रहा है। इसी तरह स्वास्थ्य सेवा में, एआई निदान में सुधार कर रहा है और वंचित समुदायों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ा रहा है।

भारत में एआई के संभावित लाभों को बढ़ावा देने के लिए रिपोर्ट ने तीन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव दिया है- जिसमें बुनियादी ढांचे और नवाचार में निवेश, मानव पूंजी और एआई-सशक्त कार्यबल का निर्माण एआई के व्यापक अपनाने और सार्वभौमिक पहुंच को प्रोत्साहित करना शामिल है। गूगल का लक्ष्य है कि वह भारत में 10 मिलियन लोगों को एआई डिजिटल साक्षरता से सशक्त बनाए, जिसमें छात्र, नौकरी चाहने वाले, शिक्षक, स्टार्टअप, डेवलपर्स, और सिविल अधिकारी शामिल हैं। यह प्रयास भारत को एक वैश्विक एआई हब के रूप में स्थापित करने में मदद कर सकता है।

अमेरिका में 43 फीसदी छोटी कंपनियों का बुरा हाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका में छोटी कंपनियों का बुरा हाल है। रसेल 2000 इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से 43 फीसदी घाटे में चल रही हैं। यह साल 2020 की महामारी के बाद सबसे अधिक है। यह 2008 के वित्तीय संकट से भी अधिक है तब 41 फीसदी छोटी कंपनियां घाटे में चल रही थीं। इतना ही नहीं इन कंपनियों का ब्याज के भुगतान पर भारी रकम खर्च करनी पड़ रही है। यह 2003 के बाद सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। उच्च ब्याज दरों के कारण इन कंपनियों के लिए ब्याज चुकाना भी मुश्किल हो रहा है। अमेरिका में छोटी कंपनियां ही नहीं बल्कि बड़ी कंपनियां भी मुश्किल में हैं।

अमेरिका का हूती चरमपंथियों पर हमला, पहली बार बी-2 स्टील्थ बॉम्बर का इस्तेमाल

सना,(ईएमएस)। अमेरिकी ने यमन में हूती चरमपंथियों पर हमला किया है। एक रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों ने बताया है कि हमले में हूतियों के बमों के जखीरे को निशाना बनाया गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड फोर्स ने यमन के हूती नियंत्रित क्षेत्रों में ईरान समर्थित हूती हथियार भंडारण सुविधाओं पर कई हवाई हमले किए।

अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि जिन सुविधाओं को निशाना बनाया गया, उनमें लाल सागर और अदन की खाड़ी में सैन्य और नागरिक जहाजों को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले हथियार रखे गए थे। यह पहली बार है जब अमेरिका ने यमन में हूतियों के खिलाफ स्टील्थ बॉम्बर का इस्तेमाल किया है। ये हमला यमन में स्थानीय समयानुसार गुरुवार सुबह किया गया।

बी-2 स्पिरिट बॉम्बर फाइटर जेट की तुलना में बहुत बड़ा स्टील्थ प्लेटफॉर्म है। यह फाइटर जेट की तुलना में काफी ज्यादा मात्रा में बमों को ले जाने में सक्षम है। खास बात ये है कि गुरुवार का हमला अमेरिका ने अकेले किया है, जबकि इसके पहले वह ब्रिटेन के साथ यमन में कार्रवाई करता रहा है।

अमेरिकी अधिकारियों ने अनुमान लगाया है कि 5 नवम्बर को होने वाले अमेरिकी चुनाव से पहले इजराइल ईरान के मिसाइल हमले का जवाब देगा। इस बीच लेबनान में ईरान समर्थित हिजबुल्लाह और गाजा में हमास के साथ उसका संघर्ष जारी है।

क्या चीन ताइवान पर हमला करने की तैयारी कर रहा है?

ताईपे (ईएमएस)। चीन के ताइवान के पास बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास करने और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के फुजियान प्रांत के उस इलाके में पहुंचने से यह सवाल उठ रहा है कि क्या चीन ताइवान पर हमला करने की तैयारी कर रहा है। चीनी सेना की हाल की गतिविधियों और सैन्य ड्रिलों को देखकर यह संभावना जताई जा रही है कि चीन ताइवान पर दबाव डालने की कोशिश कर रहा है। इस संदर्भ में चीनी सेना ने सोमवार को ज्वाइंट स्वॉर्ड-2024बी नामक एक बड़े पैमाने पर युद्धाभ्यास किया, जिसमें नेवी और एयरफोर्स दोनों शामिल थे। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य ताइवान के प्रमुख बंदरगाहों को घेरना और नाकाबंदी करना था। इसके अलावा, चीन ने अपनी जंगी वॉरशिप लियाओनिंग को भी इसमें शामिल किया। इस सैन्य अभ्यास को ताइवान की स्वतंत्रता की मांग करने वालों के लिए चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग का फुजियान प्रांत में अचानक पहुंचना, जो ताइवान से काफी नजदीक है, इसे सैन्य तैयारियों की जांच के रूप में देखा जा रहा है। इस क्षेत्र में पहले भी चीन की सेना ने ताइवान को धमकाने के लिए सैन्य ड्रिल की थीं। इन गतिविधियों को देख कर यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि चीन ताइवान पर अधिक दबाव डालने की तैयारी कर रहा है। इस बीच ताइवान के नेता विलियम लाई चिंग-ते ने हाल ही में एक भाषण में कहा था कि ताइवान किसी का गुलाम नहीं है और यह स्वतंत्र देश है। ताइवान की स्वतंत्रता की इस घोषणा के बाद से चीन की प्रतिक्रिया में तीव्रता आई है। चीन ने कई बार ताइवान को अपना हिस्सा मानते हुए बलपूर्वक कब्जा करने की धमकी दी है। वहीं अमेरिका लगातार ताइवान की सहायता करता आ रहा है, जिससे स्थिति और भी तनावपूर्ण होती जा रही है। इन सभी घटनाक्रमों को देखते हुए, चीन और ताइवान के बीच संघर्ष की स्थिति की आशंका बढ़ रही है, और अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस पर नजर बनाए हुए है।

भारत से व्यापार में चीन सबसे आगे

- अप्रैल-सितंबर के दौरान कुल 56.29 अरब डॉलर मूल्य का आयात चीन से हुआ

नई दिल्ली (ईएमएस)। चीन इस साल अप्रैल-सितंबर के दौरान भारत के टॉप आयात स्त्रोत के रूप में उभरा है। इस अवधि में कुल 56.29 अरब डॉलर मूल्य का आयात चीन से हुआ है यानी सामान चीन से भारत आया है। वहीं इसी अवधि में अमेरिका देश के लिए टॉप एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन के रूप में उभरा है। अमेरिका को सामान का किया जाने वाला निर्यात 5.62 प्रतिशत बढ़कर 40.38 अरब डॉलर हो गया। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान चीन से आयात 11.5 प्रतिशत बढ़ा है।

बीते वित्त वर्ष की इसी अवधि में आयात 50.48 अरब डॉलर रहा था। आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में भारत में होने वाले आयात के शीर्ष 10 स्त्रोत चीन, रूस, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, इराक, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, स्विट्जरलैंड और सिंगापुर रहे. चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-सितंबर के दौरान रूस से आयात बढ़कर 32.18 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 30.43 अरब डॉलर था।

इसी तरह यूएई से होने वाला आयात इस अवधि में बढ़कर 31.46 अरब डॉलर हो गया। पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही में यह 20.70 अरब डॉलर था। इस अवधि के दौरान देश के शीर्ष 10 निर्यात गंतव्य अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, ब्रिटेन, चीन, सिंगापुर, सऊदी अरब, बांग्लादेश, जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका रहे। यूएई को निर्यात चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-सितंबर के दौरान बढ़कर 17.24 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 15.47 अरब डॉलर था। इसी तरह चीन को निर्यात आलोच्य अवधि में बढ़कर 6.91 अरब डॉलर रहा जो एक साल पहले 2023-24 में अप्रैल-सितंबर के दौरान 7.63 अरब डॉलर था। अमेरिका 2023-24 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था, उसके बाद चीन का स्थान था। चीन 2013-14 से 2017-18 और 2020-21 में भारत का शीर्ष व्यापारिक भागीदार था। चीन से पहले, संयुक्त अरब अमीरात देश का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था। 2021-22 और 2022-23 में अमेरिका सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था।

गाजा से दिल दहला देने वाली तस्वीरें लावारिश शवों को खाते दिख रहे कुत्ते

गाजा (ईएमएस)। इजरायल और हमास के बीच जंग छिड़े अब एक साल से ज्यादा का समय हो चुका है। अब युद्धग्रस्त गाजा से दिल दहला देने वाली तस्वीरें आई हैं। इन तस्वीरों में आवारा कुत्ते लावारिश शवों को खाते दिख रहे हैं। गाजा के आपातकालीन सेवाओं के प्रमुख फारेस अफाना ने बताया है कि उन्हें और उनके सहयोगियों को उत्तरी गाजा में मारे गए फिलिस्तीनियों के शव मिले हैं जिनमें से कई पर जानवरों द्वारा शवों को खाने के निशान हैं। अफाना ने बताया, भूखे आवारा कुत्ते सड़क पर इन शवों को खा रहे हैं। इससे हमारे लिए शवों की पहचान करना भी मुश्किल हो गया है। अब त्रासदी से जूझते गाजा में शवों को अंतिम संस्कार भी नसीब नहीं हो पा रहा है। वहीं इजरायल ने दावा किया है कि हमास के लड़ाके इन इलाकों में फिर से संगठित हो रहे हैं।

पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास ने इजरायल पर हमला किया था। इन हमलों में 1,206 लोगों की मौत हो गई थी जिसमें ज़्यादातर आम लोग थे। तब से इजरायल के हमले में गाजा में 42,409 लोग मारे गए हैं वहीं 99,153 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। बुधवार को गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि पिछले 24 घंटों में इजरायली सैन्य हमलों में 65 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। इस बीच यूएनआरडब्ल्यूए ने गाजा में अकाल के जोखिम की चेतावनी दी है। यूएनआरडब्ल्यूए के प्रमुख फिलिप लाज़ारिनी ने कहा है कि गाजा में अकाल और तीव्र कुपोषण की संभावना बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि यह एक तरह की बंजर जमीन बन गई है और यह जगह रहने लायक भी नहीं है।

चीन ने की चांद पर बेस बनाने की घोषणा

बीजिंग(ईएमएस)। चीन ने सिर्फ बेस ही नहीं बल्कि अगले कुछ दशकों में अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम का विस्तार करने के लिए मानवयुक्त चंद्र मिशन शुरू करने, चंद्र अंतरिक्ष स्टेशन बनाने तथा रहने योग्य ग्रहों और अन्य ग्रहों पर जीवन की खोज का पता लगाएगा। चीन ने कहा कि अगले कुछ दशकों में ये काम भी पूरा कर लिया जाएगा। इस दौरान चीन ने अतंरिक्ष मिशन को लेकर 2050 तक की अपनी पूरी प्लानिंग बताई।अंतरिक्ष जगत में चीन और अमेरिका अक्सर एक दूसरे को टक्कर देते रहते हैं। नासा और सीएनएसए के बीच एक दूसरे से आगे रहने की होड़ मची रहती है। नासा को टक्कर देने के लिए दिन की चीन की अंतरिक्ष एजेंसी सीएनएसए ने 2050 तक की पूरी प्लानिंग कर ली है और आने वाले कुछ सालों में चीन अंतरिक्ष पर अपना बेस भी तैयार कर लेगा।चीन के शीर्ष अंतरिक्ष निकायों ने अंतरिक्ष विज्ञान के लिए दीर्घकालिक विकास कार्यक्रम का अनावरण किया, जो 2024 से 2050 तक देश के अंतरिक्ष विज्ञान मिशन और अंतरिक्ष अनुसंधान की योजना का मार्गदर्शन करेगा।कार्यक्रम के अनुसार, चरम ब्रह्मांड का विषय ब्रह्मांड की उत्पत्ति और विकास की खोज, चरम ब्रह्मांडीय परिस्थितियों के तहत भौतिक नियमों का खुलासा, डार्क मैटर और ब्रह्मांड की उत्पत्ति और विकास, साथ ही ब्रह्मांडीय बायोनिक पदार्थ का पता लगाने पर केंद्रित है। मध्यम से निम्न आवृत्ति की गुरुत्वाकर्षण तरंगों और आदिम गुरुत्वाकर्षण तरंगों का पता लगाने पर अध्ययन किया जाएगा, जिसका लक्ष्य गुरुत्वाकर्षण की प्रकृति को उजागर करना तथा सूर्य और पृथ्वी का अन्वेषण करना होगा।

मुख्यमंत्री ने 43,752 कार्यों के लिए 2430 करोड़ रुपए आवंटित किए

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत निजी सोसायटी जनभागीदारी घटक के तहत वडोदरा महानगर पालिका तथा जसदण एवं विजापुर नगर पालिकाओं को राज्य सरकार के योगदान के रूप में कुल 53 कार्यों के लिए 3 करोड़ 14 लाख रुपए आवंटित करने की मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने इस संदर्भ में वडोदरा महानगर पालिका को 2 करोड़ 78 लाख रुपए की लागत वाले विभिन्न 50 कार्यों के लिए मंजूरी दी है। उन्होंने जसदण नगर पालिका को सी.सी. रोड के कार्य के लिए 19.17 लाख रुपए तथा विजापुर नगर पालिका को सी.सी. रोड और पेवर ब्लॉक के कार्यों के लिए 17.43 लाख रुपए आवंटित करने की अनुमति दी है। उल्लेखनीय है कि 2010 में गुजरात राज्य की स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर तत्कालीन मुख्यमंत्री और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना शुरू की थी। राज्य सरकार ने अब तक स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत निजी सोसायटी जनभागीदारी योजना के तहत महानगर पालिकाओं को 36,418 कार्यों के लिए 2112.23 करोड़ रुपए और नगर पालिकाओं को 7334 कार्यों के लिए 318.83 करोड़ रुपए सहित कुल 43,752 कार्यों के लिए 2430.46 करोड़ रुपए राज्य सरकार के योगदान के रूप में आवंटित किए हैं। बता दें कि इस योजना के तहत राज्य की महानगर पालिकाएं और नगर पालिकाएं अपने-अपने क्षेत्रों में स्थित निजी सोसायटियों में मूलभूत सामान्य सुविधाओं के कार्यों के लिए अनुदान की रकम प्राप्त कर सकती हैं। निजी सोसायटियों में सड़क, पेवर ब्लॉक, पानी की लाइन, ड्रेनेज लाइन, स्ट्रीट लाइट, रेन वाटर हार्वेस्टिंग और सोसायटी के कॉमन प्लॉट में पेवर ब्लॉक लगाने के कार्यों के लिए यह सहायता 70:20:10 के अनुपात में दी जाती है। तदनुसार, कुल संभावित राशि का 70 फीसदी अनुदान राज्य सरकार की ओर से आवंटित किया जाता है। वहीं, निजी सोसायटी के 20 फीसदी तथा स्थानीय निकाय के 10 फीसदी योगदान को शामिल कर ऐसी मूलभूत सामान्य सुविधाओं के कार्य निजी सोसायटियों में जनभागीदारी से किए जाते हैं।

राज्य सरकार के कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर महंगाई भत्ते में 3 फीसदी बढ़ोतरी की मांग की है

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात सरकार के कर्मचारियों ने महंगाई भत्ते में तीन प्रतिशत की वृद्धि करने की मांग की हैं। इसके लिए कर्मचारी महासंघ ने राज्य के वित्तमंत्री कनुभाई देसाई को पत्र लिका हैं। बता दें कि केंद्र सरकार ने बुधवार को केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 3 फीसदी वृद्धि का ऐलान किया था। जिसके मुताबिक केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 3 फीसदी की वृद्धि के साथ ही केंद्र सरकार के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़कर 53 फीसदी हो गया हैं। अब गुजरात में भी दिवाली से पहले महंगाई भत्ता बढ़ाने की मांग तेज हो गई हैं। कर्मचारी संघ ने गुजरात सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते में तीन फीसदी बढ़ोतरी की मांग की हैं। महंगाई और दिवाली को ध्यान में रखते हुए वित्त मंत्री कनु देसाई कोकर्मचारी महासंघ ने पत्र लिखा हैं। जिसमें केंद्र सरकार के आधार पर महंगाई भत्ता 50% से बढ़ाकर 53% करने की मांग की गई हैं।

केंद्र सरकार ने महंगाई भत्ता बढ़ाकर केंद्रीय कर्मचारियों को दिवाली का तोहफा दिया है। लेकिन राज्य सरकार महंगाई भत्ते-बकाया की घोषणा नहीं कर रही है, गुजरात राज्य कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री भीपेंद्र पटेल और वित्त मंत्री कनुभाई पटेल को ज्ञापन देकर केंद्र सरकार की तरह महंगाई भत्ता 3 प्रतिशत बढ़ाने की मांग की है.

गुजरात राज्य कर्मचारी महासंघ के महासचिव भरत चौधरी ने कहा कि केंद्रीय मानदंडों के अनुसार राज्य कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 53 प्रतिशत किया जाना चाहिए. दिवाली त्योहार के गिनती के दिन शेष रहते हुए सरकारी कर्मचारियों ने दिवाली को बेहतर बनाने के लिए महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी की मांग की है।

केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता तीन फीसदी बढ़ा दिया है. इसके साथ ही कर्मचारियों को जुलाई से सितंबर तक तीन महीने का एरियर देने का भी ऐलान किया गया है. केंद्र सरकार कर्मचारियों का महंगाई भत्ता साल में दो बार यानी जनवरी और जुलाई में बढ़ाती है।

पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुजरात के इन जिलों में शुरू होगा जंगल सफारी

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जंगल सफारी शुरू करने की योजना है और इसे लेकर वन विभाग द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा हैं। गुजरात के देवभूमि द्वारका और पोरबंदर जिले में फैले बरडा जंगल में पर्यटकों के लिए बरडा जंगल सफारी शुरू की जाएगी। बरडा डूंगर में शुरू होने वाली इस जंगल सफारी से देवभूमि द्वारका और पोरबंदर जिले के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। फिलहाल इस जंगल सफारी की काफी चर्चा हो रही है और हर कोई इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा है कि यह कब शुरू होगी। जानकारी है कि गुजरात वन विभाग द्वारा देवभूमि द्वारका और पोरबंदर के बरडा डूंगर में दिवाली से पहले ही बरडा जंगल सफारी शुरू की जा सकती है। सफारी के दौरान पर्यटकों को बरडा की प्राकृतिक सुंदरता, किलगंगा नदी के मनोरम दृश्य देखने को मिलेंगे। बरडा सफारी का रूट लगभग 27 किमी होगा। इसकी शुरुआत द्वारका जिले के कपूरडी नाका से की जाएगी और उसके बाद चारणुआई बैरियर से अजमापट से भुखबरा तक का क्षेत्र कवर किया जाएगा। इस सफारी दर्शन के लिए 6 यात्रियों की क्षमता वाली एक खुली जिप्सी रखी जाएग, जिसमें गाइड की व्यवस्था भी होगी। हांलाकि इस जंगल सफारी की शुरुआत के लिए अभी कोई निश्चित तारीख तय नहीं की गई हैं। लेकिन वन विभाग की ओर से दिवाली से पहले जंगल सफारी शुरू करने का प्रयास किया जा रहा हैं। यह जंगल सफारी सर्दी के मौसम में दो भागों में सुबह 6-45 से 9-45 तक और दोपहर में 3-00 से 6-00 बजे तक और गर्मी के मौसम में सफ़ारी दो भागों में की जा सकती है, सुबह 6:00 बजे से रात 9:00 बजे तक और दोपहर 3:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक की जा सकती हैं। सफारी हर साल 16 जून से 15 अक्टूबर तक बंद रहेगी। जंगल सफारी के लिए टिकट बुकिंग कपूरडी नाका से ऑफ़लाइन मोड के माध्यम से शुरू की जाएगी। सफारी के दौरान पर्यटकों को बरडा की प्राकृतिक सुंदरता, किलगंगा नदी के सुंदर दृश्य, पहाड़ी/पहाड़ी इलाके और वन्य जीवन को उनके प्राकृतिक आवास में देखने का अवसर मिलेगा। सफारी के लिए परमिट शुल्क 400 रुपये, गाइड शुल्क 400 रुपये है और जिप्सी शुल्क 2000 रुपये होगा और यह परमिट टिकट बुकिंग काउंटर से मिलेगा।

जीएसटी धोखाधड़ी मामले में ईडी ने गुजरात में कई जगह मारे छापे

अहमदाबाद,(ईएमएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जीएसटी धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में गुजरात के कई शहरों में छापे मारे जिसमें गुजरात पुलिस ने एक पत्रकार समेत आठ लोगों को हिरासत में लिया है।

सूत्रों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज करने के बाद संघीय एजेंसी ने राजकोट, जूनागढ़, अहमदाबाद, भावनगर और वेरावल शहरों में करीब 23 परिसरों पर छापे मारे। इस मामले में गिरफ्तार पत्रकार महेश लांगा एक प्रमुख अखबार में काम करते हैं जिनके परिसरों पर भी छापे की कार्रवाई की जा रही है। धन शोधन का यह मामला अहमदाबाद पुलिस अपराध शाखा की प्राथमिकी से संबंधित है।

अहमदाबाद पुलिस की अपराध शाखा ने फर्जी 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' (आईटीसी) और धोखाधड़ी वाले लेनदेन के जरिए सरकार को धोखा देने के इरादे से फर्जी कंपनियों से जुड़े एक कथित घोटाले को लेकर केंद्रीय जीएसटी से मिली शिकायत के बाद कई व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। पत्रकार लांगा और सात अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार तब किया जब केंद्रीय जीएसटी ने जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर उनकी पत्नी और पिता के नाम पर बनाई गई फर्जी कंपनियों में कुछ संदिग्ध लेनदेन पाया गया ।

अपराध शाखा के मुताबिक देशभर में 200 से ज्यादा फर्जी कंपनियां संगठित तरीके से फर्जी 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' के जरिए सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचा रही थीं और इन कंपनियों को बनाने के लिए जाली दस्तावेजों और पहचान पत्रों का इस्तेमाल किया गया था।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल हरियाणा दौरे पर

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल गुरुवार को हरियाणा दौरे पर हैं। श्री पटेल हरियाणा में मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त नायब सिंह सैनी के शपथ ग्रहण समारोह में सहभागी होने के लिए हरियाणा दौरे पर गए हैं।

भूपेन्द्र पटेल नायब सिंह सैनी के शपथ ग्रहण समारोह के बाद चंडीगढ़ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के सीएम कॉन्क्लेव में भी भाग लेंगे।

नारायण साईं ने जेल में बंद अपने पिता आसाराम से मिलने के लिए गुजरात हाई कोर्ट में याचिका दायर की

अहमदाबाद17 अक्टूबर

आसाराम से मिलना चाहते थे नारायण साईं सूरत जेल में बंद नारायण साईं ने जोधपुर जेल में बंद आसाराम से मिलने के लिए जमानत के लिए गुजरात हाई कोर्ट में अर्जी दी है. जिसमें इस अर्जी पर गुजरात हाई कोर्ट में सुनवाई हुई. उसमें राज्य सरकार ने कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने की आशंका बताते हुए अर्जी का विरोध किया था.

जबकि नारायण साईं हवाई जहाज से सूरत से जोधपुर तक की यात्रा का खर्च देने को तैयार थे, लेकिन नारायण साईं ने एक दिन जेल का दौरा करने का अनुरोध किया क्योंकि जोधपुर जेल में आसाराम का स्वास्थ्य ठीक नहीं था। जब गुजरात हाई कोर्ट ने पुलिस जब्ती में हवाई यात्रा के जरिए लाजपोर जेल से जोधपुर जेल तक जाने की बात कही.

लाजपोर जेल से जोधपुर जेल तक यात्रा के खर्च और पुलिस जाप्ते सहित मामलों को लेकर सचिन पुलिस स्टेशन में 10 लाख जमा करने का सुझाव दिया गया है। हालांकि, पिता के दर्शन के लिए नारायण साईं की अर्जी पर कल हाईकोर्ट की ओर से विस्तृत लिखित आदेश दिया जाएगा.

लव जिहादियों को सबक सिखाने की जिम्मेदारी गुजरात पुलिस की है : गृह राज्यमंत्री

भावनगर (ईएमएस) गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने लव जिहाद को लेकर बड़ा बयान दिया हैं। उन्होंने कहा कि प्यार करने का सभी को हक है, लेकिन अपनी पहचान छिपाकर किसी बहन-बेटी को अपनी जाल में फंसाने की घटना बर्दाश्त नहीं हैं। ऐसे लव जिहादियों को सबक सिखाने की जिम्मेदारी गुजरात की पुलिस की हैं। हर्ष संघवी ने यह बयान भावनगर के नीलमबाग पैलेस में शरद उत्सव पर आयोजित ''नीतरती नभनी चांदनी'' कार्यक्रम में दिया। इस कार्यक्रम का आयोजन भावनगर रेंज पुलिस और भावनगर व्यापारी एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। इस मौके पर हर्ष संघवी ने भावनगर रेंज की महिला पुलिस को उत्कृष्ट कार्रवाई के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान किया। हर्ष संघवी ने ब्याजखोरों समेत असामाजिक तत्त्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए भावनगर पुलिस का अभिनंदन किया और लव जिहाद को लेकर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि प्यार करने का सभी हक है, लेकिन प्रेम के पवित्र संबंधों को बदनाम करने वालों को सबक सिखाने की जिम्मेदारी पुलिस की हैं। कोई सलीम अगर सुरेश बनकर या सुरेश, सलीम बनकर राज्य की भोली-भाली बहन-बेटियों को अपने जाल में फंसाता है तो ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने की जिम्मेदारी गुजरात पुलिस की हैं। हर्ष संघवी ने कहा कि ऐसे मामलों को काफी गंभीरता से लेते हुए तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। समाज में ऐसे लोगों के खिलाफ पुलिस की सख्ती बेहद जरूरी हैं। गृह राज्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी के साथ पुलिस का रुख अव्यवहारिक होगा तो पुलिस की वर्दी पर दाग लगेगा। गृह मंत्री के तौर पर मुझे उम्मीद है कि आम नागरिक पुलिस के पास आने से डरेंगे नहीं।

सीएनजी वाहन चालकों को झटका देनेवाली खबर, कंपनी ने बढ़ाए गैस के दाम

वडोदरा (ईएमएस) सीएनजी वाहन चालकों को दिवाली से पहले झटका देनेवाली खबर सामने आई हैं। दिवाली से पहले ही वडोदरा गैस लिमिटेड ने तीन महीने में लगातार दूसरी बार सीएनजी की कीमतें बढ़ा दी हैं। जिससे मध्यम वर्ग के लोगों पर महंगाई का एक और बोझ पड़ेगा। जानकारी के मुताबिक वडोदरा गैस लिमिटेड ने प्रति किलो सीएनजी की कीमत में रु. 2 की वृद्धि की घोषणा की हैं। इससे पहले मार्च महीने में कंपनी ने सीएनजी कीमत में रु. 2.59 घटाए थे। लेकिन जुला में जीएनसी की कीमत में रु. 1 इजाफा कर दिया था। तीन महीनेके भीतर गैस कंपनी ने दूसरी प्रति किलो सीएनजी की कीमत में रु. 2 की वृद्धि की हैं। पहले सीएनजी चालकों को प्रति किलो गैस के लिए 77 रुपये चुकाने पड़ते थे।

'वन विभाग में क्या कारोबार चल रहा है, सब पता है...', विधायक चैतर वसावा

डेडियापाड़ा 17 अक्टूबर,

वृक्षारोपण कार्यक्रम में चैतर वसावाः विधायक चैतर वसावा, डॉ. दर्शना देशमुख, लोकसभा सांसद मनसुख वसावा सहित अधिकारी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में चैतर वसावा और मनुसाख वसावा एक मंच पर नजर आए. कार्यक्रम में चैतर वसावा ने सरकार्यवाह की भूमिका निभाई.

डेडियापाड़ा के मालसामोट कार्यक्रम में आक्रामक अंदाज में सरकार पर हमला करने वाले चैतर वसावा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. जिसमें चैतरवसावानेकहा, 'आपने डेडिया पालामें एक कार्यक्रम किया है, आपने 49लाखका कौशल केंद्र खोला है, आपने 6 करोड़ के वाउचर दिए हैं. वन विभाग में क्या कारोबार चल रहा है, सब पता है. हम यहां जो भी पेड़ लगाते हैं, उसके लिए वन विभाग जिम्मेदार है। मनसामोट में आप परियोजना लेकर आए, हमें विकास से कोई समस्या नहीं है। लेकिन हमारी स्थानीय ग्राम पंचायत की सहमति लीजिए, बाहरी लोग आते हैं, कॉर्पोरेट जगत यहां देख रहा है। यहां की जमीन पर हमारे आदिवासी परिवारों द्वारा खेती की जाने वाली 303 एकड़ जमीन हाउसिंग सोसायटी को आवंटित की गई है..., हम एक इंच भी जमीन नहीं देंगे। कहा गया था कि हम केवड़िया में रोजगार और पर्यटन मुहैया कराएंगे, आज वहां हमारी माताएं-बहनें रो रही हैं, कोई उन्हें देखने क्यों नहीं आता?'

उन्होंने कहा, 'पिछले साल वन मंत्री मुकेश पटेल की मौजूदगी में जो पौधारोपण कार्यक्रम हुआ था, वो पौधे कहां गए? अगर वे विकास के नाम पर हमारे जल जंगल जमीन और संस्कृति पर अतिक्रमण करने की कोशिश करेंगे तो हम लड़ेंगे।' कार्यक्रम में चैतर वसावा ने सरकार्यवाह की भूमिका निभाई.

मैं भी चुनाव लड़ना चाहता हूं; वाव सीट पर उपचुनाव के लिए भाजपा के 20 से अधिक दावेदारों ने पर्यवेक्षकों को भ्रमित कर दिया है

वाव,17 अक्टूबर

वाव विधानसभा उपचुनाव 2024: गुजरात की वाव विधानसभा सीट पर अगले महीने 13 नवंबर 2024 को उपचुनाव होगा। फिर बीजेपी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने इस उपचुनाव को लेकर प्रचार और उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है. वाव बैठक के लिए बीजेपी ने प्रभारी और पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर दी है. अब प्रभारियों ने समझाइश का काम शुरू कर दिया है। तेवा की वाव सीट के लिए 20 से अधिक नेताओं ने अपनी उम्मीदवारी दाखिल की है।

प्रदेश भाजपा की ओर से नियुक्त तीन पर्यवेक्षक वाव विधानसभा क्षेत्र पहुंचे. तीनों इंस्पेक्टरों ने आज सुबह से ही अभ्यर्थियों के चयन के लिए समझाइश की प्रक्रिया शुरू कर दी है. हालांकि, वाव सीट पर उपचुनाव लड़ने के लिए बीजेपी में दावेदारों की बाढ़ आ गई है और पता चला है कि 20 से ज्यादा दावेदारों ने टिकट की मांग की है. जिसमें पिछले विधानसभा चुनाव में गेनीबेन ठाकोर से हारने वाले बीजेपी उम्मीदवार स्वरूपजी ठाकोर भी दोबारा चुनाव लड़ने के लिए उत्सुक हैं. फिर निरीक्षक दावेदारों के नाम प्रदेश भाजपा को सौंपेंगे।

वाव सीट पर बीजेपी के दावेदार स्वरूपजी ठाकोर , ताराबेन ठाकोर , अमथुजी ठाकोर , करशनजी ठाकोर , गगाजी ठाकोर , वीरजी ठाकोर , दिलीप वाघेला , रजनीश चौधरी , मुकेश ठाकोर , शैलेश चौधरी , लालजी पटेल , रजनी पेटल , गजेंद्र सिंह राणा

वाव बैठक के लिए बीजेपी ने प्रभारी और पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर दी है वाव बैठक के लिए भाजपा की ओर से तीन पर्यवेक्षक और एक प्रभारी नियुक्त किये गये थे. राज्य सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री और महमदाबाद विधानसभा के विधायक अर्जुन सिंह चौहान को वाव विधानसभा के आगामी उपचुनाव में विधानसभा प्रभारी नियुक्त किया गया है। वहीं जनक पटेल (बगदाना), असारवा विधायक दर्शना वाघेला और क्षेत्रीय प्रवक्ता यमल व्यास को भी वीएवी बैठक के लिए 3 पर्यवेक्षकों की जिम्मेदारी सौंपी गई है. वाव विधानसभा सीट पर कांग्रेस के कुछ संभावित उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा चल रही है. केपी गढ़वी, गुलाब सिंह राजपूत, ठाकरशीभाई रबारी, मावजी पटेल समेत कई नेता दौड़ में हैं. यूं तो ये तीनों उम्मीदवार अलग-अलग समुदाय से हैं, लेकिन गनीबेन की जीत के बाद कांग्रेस जातीय समीकरणों को किनारे रखकर गनीबेन के दम पर चुनाव लड़ सकती है.

बनासकांठा जिले की वाव विधानसभा सीट पर त्रिपक्षीय लड़ाई होने की पूरी संभावना है. इस बार वाव सीट पर न सिर्फ बीजेपी और कांग्रेस के बीच असली टक्कर है, बल्कि आम आदमी पार्टी भी इस सीट पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है. ऐसी संभावना है कि गुजरात में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन टूट जाएगा और वाव विधानसभा सीट पर त्रिपक्षीय लड़ाई होगी.

लोकसभा चुनाव 2024 में राज्य में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन हुआ था. जिसमें आम आदमी पार्टी ने 26 में से दो सीटों भरूच और भावनगर पर चुनाव लड़ा, जबकि कांग्रेस ने बाकी सभी 24 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे. हालांकि, सूरत सीट निर्विरोध होने के कारण कांग्रेस ने 23 सीटों पर चुनाव लड़ा। वाव से विधायक रहीं जेनीबेन ठाकोर ने लोकसभा चुनाव में बनासकांठा सीट से जीत हासिल की थी.

इमामी एग्रोटेक कंपनी की टैंक में दम घुटने से 5 कर्मचारियों की मौत

कच्छ (ईएमएस) जिले के कंडलास्थित इमामी एग्रोटेक कंपनी में हुए एक हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। यह घटना मंगलवार की रात उस समय हुई जब कंपनी के टैंक की सफाई की जा रही थी। घटना के बाद मौके पर पहुंची कंडला मरीन पुलिस ने दुर्घटना मौत का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की हैं।

जानकारी के मुताबिक कच्छ जिले के कंडला स्थित इमामी एग्रोटेक कंपनी खाद्य तेल, बायोडीजल, रिफाइंड पाम, सोयाबीन और वनस्पति घी का उत्पादन करती हैं। कंपनी में मंगलवार की रात एक कर्मचारी टैंक में सफाई के लिए उतरा था, जो भीतर बेहोश हो गया। अन्य दो कर्मचारी उसे बचाने के लिए उतरे तो वह भी बेहोश होकर टैंक में गिर पड़े।

जिसके बाद और दो लोग उतरे और वह भी बेहोश हो गए। एक-दूसरे को बचाने के प्रयास में टैंक में उतरे पांचों कर्मचारियों की दम घुटने से मौके पर मौत हो गई। हांलाकि कंपनी के अन्य कर्मचारी सभी को तुरंत सरकारी अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने सभी को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में एक टैंक ऑपरेटर, एक कंपनी सुपरवाइजर और तीन सहायक शामिल हैं। इनके नाम सिद्धार्थ तिवारी, अजमत खान, आशीष गुप्ता, आशीष कुमार और संजय ठाकोर बताए गए हैं। घटना की खबर मिलते ही कंडला मरीन पुलिस और फैक्ट्री इंस्पेक्टर मौके पर पहुंच गए और जांच शुरू कर दी। कंडला मरीन पुलिस ने कहा कि इस बात की जांच की जाएगी कि प्लांट में कर्मचारियों के लिए सुरक्षा उपकरण थे या नहीं। दूसरी ओर कंपनी ने प्रत्येक मृतक के परिवार को रु. 10-10 लाख की सहायता देने का ऐलान किया हैं। साथ ही कानूनी सहायता देने का भी आश्वासन दिया हैं।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने भारत के सबसे बड़े हार्ट एवं लंग्स ट्रांसप्लांट सम्मेलन को अपना समर्थन दिया

अहमदाबादः 17 अक्टूबर

सोसाइटी फॉर हार्ट फेलियर एंड ट्रांसप्लांटेशन के सहयोग से इंडियन सोसाइटी ऑफ हार्ट एंड लंग ट्रांसप्लांटेशन का 5वां वार्षिक सम्मेलन 18 से 20 अक्टूबर, 2024 को अहमदाबाद के क्लब बेबीलोन और शेरेटन कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा। यह हार्ट एवं लंग्स ट्रांसप्लांटेशन पर भारत का सबसे बड़ा सम्मेलन है, तथा इस आयोजन में दुनिया भर के बड़े-बड़े सर्जन और विशेषज्ञ इस क्षेत्र में नवीनतम प्रगति पर चर्चा करने, प्रमुख चुनौतियों का समाधान निकालने और ट्रांसप्लांट चिकित्सा के भविष्य की संभावनाओं पर विचार करने के लिए एकजुट होंगे।

इस सम्मेलन में हार्ट एवं लंग्स ट्रांसप्लांट के क्षेत्र में दुनिया भर के विशेषज्ञों के साथ-साथ अमेरिका, कनाडा, बेल्जियम, ब्रिटेन, जापान सहित कई अन्य देशों के प्रमुख सर्जन भाग लेंगे। इस सम्मेलन की थीम है, जहाँ उपस्थित लोगों को हार्ट एवं लंग्स ट्रांसप्लांट चिकित्सा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बदलाव लाने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले विशेषज्ञों से बहुमूल्य जानकारी प्राप्त करने का शानदार अवसर प्राप्त होगा। कार्यक्रम के एजेंडे में व्याख्यान, पैनल चर्चा और केस स्टडी को शामिल किया गया है, जिसमें रणनीतिक रूप से भारत में हार्ट एवं लंग्स ट्रांसप्लांट को आगे बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। चर्चा के मुख्य बिंदुओं के रूप में अंगदान करने वाले लोगों की कमी, लंबी प्रतीक्षा सूची और ट्रांसप्लांट के बाद की देखभाल जैसी महत्वपूर्ण चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। साथ ही, ट्रांसप्लांट के परिणामों को बेहतर बनाने वाली अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी जाएगी। इन परिचर्चाओं के आधार पर भविष्य की राह तैयार होगी, जो देश भर में ट्रांसप्लांट कार्यक्रमों के निरंतर विकास और सफलता की नींव रखेगी।

अंगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर विशेष ध्यान देना भी इस सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण पहलू होगा। इस संदर्भ में रविवार, 20 अक्टूबर, 2024 को एक बैठक आयोजित की जाएगी, कार्यक्रम का मुख्य सत्र हार्ट ट्रांसप्लांटेशन एवं लंग्स ट्रांसप्लांटेशन पर केंद्रित होगा। इसके अलावा, बेहद रोचक मामलों पर चर्चा और अनुभव के आदान-प्रदान के लिए भी विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। 'विशेषज्ञों से मुलाकात' सत्र में हार्ट एवं लंग्स ट्रांसप्लांटेशन के दिग्गजों के साथ विशेष चर्चा होगी।

INSHLT 2024 अहमदाबाद के आयोजन अध्यक्ष, डॉ. मिलन चाग ने इस कार्यक्रम में परस्पर सहयोग के जज़्बे की तारीफ़ करते हुए कहा, ठहम ट्रांसप्लांट मेडिसिन के क्षेत्र में दुनिया भर के दिग्गजों को एकजुट करना चाहते हैं। आयोजन सचिव, डॉ. धीरेन शाह ने इस कार्यक्रम के लिए अपना उत्साह जाहिर करते हुए कहा, इस आयोजन में नेपाल, दक्षिण कोरिया, बांग्लादेश सहित अन्यदेशोंके400 से ज़्यादा प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं, मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल में लंग्स ट्रांसप्लांटेशन एवं मिनिमली इन्वेसिव लंग्स ट्रांसप्लांटेशन के ग्रुप डायरेक्टर, डॉ. ज्ञानेश ठकर कहते हैं, ठमिनिमली इन्वेसिव लंग्स ट्रांसप्लांटेशन के क्षेत्र में हुई प्रगति की वजह से बेहद गंभीर मामलों के उपचार के तरीके में बड़े पैमाने पर बदलाव आया है, जिससे ब्लड ट्रांसफ्यूजन की जरूरत के बिना मरीज जल्दी ठीक हो रहे हैं और बेहद कम दर्द के अनुभव के साथ इलाज के बेहतर परिणाम मिल रहे हैं।

मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स के संस्थापक सदस्य, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं ग्रुप सीईओ, डॉ. राजीव सिंघल कहते हैं, ठमैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स में, हम चिकित्सा के क्षेत्र में विश्व स्तरीय विशेषज्ञता और इनोवेशन के ज़रिये भारत में ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन को और आगे बढ़ाने के इरादे पर अटल हैं।

फ़िज़िक्स वाला (पीडब्लू) लॉन्च करेगा 77 नए टेक-इनेबल्ड विद्यापीठ ऑफलाइन सेंटर्सः गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अब और भी सुलभ

फ़िज़िक्स वाला (पीडब्लू), भारत की प्रमुख एडटेक कंपनी, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा देने के लिए शैक्षणिक वर्ष 25-26 में 77 नए ऑफलाइन टेक-इनेबल्ड लर्निंग सेंटर्स खोलने का ऐलान किया है। ये नए सेंटर्स तमिलनाडु, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और कई अन्य राज्यों में खोले जाएंगे। इस विस्तार से पीडब्लू के ऑफलाइन सेंटर्स की कुल संख्या 126 से बढ़कर 203 हो जाएगी, जो 141 शहरों में होंगे। इस कदम का मकसद खासकर टियर 2 और टियर 3 शहरों के बच्चों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाना है, ताकि देश के दूर-दराज़ के इलाकों तक भी इसका लाभ मिल सके।

शैक्षणिक वर्ष 24-25 में पीडब्लू के विद्यापीठ और पाठशाला सेंटर्स में 2 लाख से ज़्यादा छात्रों ने एडमिशन लिया, जो पीडब्लू के मिशन पर लोगों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। अगले शैक्षणिक वर्ष में पीडब्लू का लक्ष्य 2.5 लाख छात्रों को पढ़ाना है और कंपनी इस बात पर पूरी तरह से ध्यान देती है कि हर स्टूडेंट को उसकी पढ़ाई के लिए जरूरी गाइडेंस और संसाधन मिलें। आज लगभग हर घ्ऊ और हर घ्घ्शए में पीडब्लू का कोई न कोई छात्र पढ़ रहा है।

पीडब्लू के ऑफलाइन सेंटर्स दो मॉडल्स में बंटे हुए हैं – विद्यापीठ और पाठशाला। विद्यापीठ सेंटर्स टेक-इनेबल्ड हैं, जहाँ छात्र क्लासरूम में आकर अनुभवी टीचर्स से पढ़ाई करते हैं। वहीं पाठशाला मॉडल में 'दो-टीचर सिस्टम' है, जहाँ एक टीचर वर्चुअली पढ़ाते हैं और दूसरा टीचर क्लासरूम में रहकर स्टूडेंट्स के सवालों के जवाब देता है। इन दोनों मॉडल्स को मिलाकर पीडब्लू ने डिजिटल और फिजिकल लर्निंग को एक साथ लाकर देशभर के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी है।

अंकित गुप्ता, र्ध्‍ं-ऑफलाइन, फ़िज़िक्स वाला, ने कहा, ठपीडब्लू में, हम हमेशा छात्रों की ज़रूरतों और उनकी भलाई को प्राथमिकता देते हैं। नए सेंटर्स खोलकर हम ये सुनिश्चित करना चाहते हैं कि छात्रों को अच्छी शिक्षा के लिए लंबी दूरी तय न करनी पड़े, जिससे उनका आर्थिक बोझ भी कम हो। साथ ही, हम ये भी चाहते हैं कि उन्हें अपनी पढ़ाई के लिए दूसरे शहरों में शिफ्ट होने का मानसिक और भावनात्मक तनाव न झेलना पड़े।

वारी एनर्जीज लिमिटेडः आरंभिक सार्वजनिक निर्गम सोमवार,21अक्टूबर को खुलेगा

अहमदाबाद, 17अक्टूबर

वारी एनर्जीज लिमिटेड सोमवार, 21 अक्टूबर, 2024 को इक्विटी शेयरों (ठऑफ़रठ) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम खोलने का प्रस्ताव करती है। एंकर निवेशक बोली तिथि बिड/ऑफ़र खुलने की तिथि से एक कार्य दिवस पहले है, जो शुक्रवार, 18 अक्टूबर, 2024 है। बिड/ऑफर बंद होने की तिथि बुधवार, 23 अक्टूबर, 2024 है।

ऑफ़र का प्राइसबैंड 1,427 प्रति इक्विटी शेयर से 1,503 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 9 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 9 इक्विटी शेयरों के गुणकों के लिए बोलियाँ लगाई जा सकती हैं।

इस ऑफर में 3,600 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का नया इश्यू (''फ्रेशइश्यू'') और 4,800,000 इक्विटी शेयरों (''ओफर्ड शेयर'') का ऑफर फॉर सेल शामिल है, जिसमें वारी सस्टेनेबल फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड (''प्रवर्तक विक्रेता शेयर धारक'') द्वारा 4,350,000 इक्विटी शेयर और चंदुरकर इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 450,000 इक्विटी शेयर शामिल हैं (''अन्य विक्रेता शेयर धारक'' और प्रमोटर विक्रेता शेयर धारक के साथ, ''विक्रेता शेयर धारक'' और विक्रेता शेयर धारकों द्वारा इक्विटी शेयरों की बिक्री के लिए ऐसा ऑफर, ''बिक्री के लिए ऑफर'')।

ऑफर में पात्र कर्मचारियों (''कर्मचारी आरक्षण हिस्सा'') द्वारा सदस्यता के लिए इक्विटी शेयरों की एक निश्चित संख्या का आरक्षण शामिल है। कर्मचारी आरक्षण हिस्से को घटाने वाले ऑफर को इसके बाद ''नेट ऑफर'' कहा जाएगा। यह प्रस्ताव प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19(2) (बी) के अनुसार, यथा संशोधित (एस सी आर आर), सेबी आई सी डी आर विनियमनों के विनियमन 31 के साथ पढ़ा जा रहा है।

यह ऑफर सेबी आई सीडीआर विनियमनों के विनियमन 6(1) के अनुसार बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के जरिए किया जा रहा है, जिसमें शुद्ध ऑफर का 50% से अनधिक हिस्सा आनुपातिक आधार पर अर्हता प्राप्त संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) (क्यू आई बी हिस्सा) को आवंटित करने के लिए उपलब्ध होगा, ब शर्ते कि कंपनी, बीआरएलएम के परामर्श से, एंकर निवेशकों को क्यूआईबी हिस्से का 60% तक आवंटित कर सकती है और इस तरह के आवंटन का आधार कंपनी द्वारा सेबी आईसीडीआर विनियमनों (एंकर निवेशक हिस्सा ठ) के अनुसार बीआरएलएम के परामर्श से विवेकाधीन आधार पर होगा। इसमें से एक तिहाई घरेलू म्यूचुअल फंड के लिए आरक्षित होगा, जो घरेलू म्यूचुअल फंड से एंकर निवेशकों को आवंटन किए गए मूल्य (एंकर निवेशक आवंटन मूल्य) पर या इससे अधिक पर वैध बोलियां प्राप्त होने के अधीन होगा। एंकर निवेशक हिस्से में कम सब्सक्रिप्शन या गैर-आवंटन की स्थिति में, शेष इक्विटी शेयरहिस्सेएंकर निवेशकहिस्से के अलावा) (नेšQIB हिस्सा) में जोड़े जाएंगे। एंकर निवेशकों को एएसबीए प्रक्रिया के माध्यम से एंकर निवेशक हिस्सेमें भाग लेने की अनुमति नहीं है। कंपनी के इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई, बीएसई के साथ, स्टॉक एक्सचेंज) में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, आई आई एफ एल सिक्योरिटीज लिमिटेड, जेफरीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नो मुरा फाइनेंशियल एडवाइजरी एंड सिक्योरिटीज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, एसबी आई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड, इंटेंसिव फिस्कल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और आई टी आई कैपिटल लिमिटेड ऑफर के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर (बीआरएलएम) हैं।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95